RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 192 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 30 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

हादसा : नहर में गिरी तेज रफ्तार कार, दो युवक बाहर कूदे, एक कार के साथ डूबा, तलाश जारी

कोरबा। शहर में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। ढ़ाबे में खाना खाने जा रहे तीन दोस्तों की कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। दो युवक तो किसी तरह कार से कूद गए लेकिन एक युवक कार के साथ नहर में गिरकर डूब गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बचे दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया और डूबे युवक की तलाश शुरू की गई।

बताया जा रहा है कि यहां नहर में काफी ज्यादा पानी है। तीनों कार के साथ नहर में फंस गए। इस बीच कुशल दास महंत और शंकर लाल कंवर किसी तरह कार बाहर निकल गए, लेकिन रवि यादव नहीं नकल पाया और कार सहित नहर में बह गया। सूचना मिलने पर उरगा पुलिस मौके पर पहुंची और कुशल दास महंत और शंकर लाल कंवर को अस्पताल पहुंचाया गया। शनिवार सुबह से ही कार की तलाश की जा रही है। पुलिस जाल डालकर कार की तलाश कर रही है। समाचार छपे जाने तक कार व कार चालक का कुछ पता नहीं चल पाया है।

रविशंकर विवि की संपत्ति कुर्की पर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने लगाई रोक, 23 जून को अगली सुनवाई, 30 करोड़ देना है मुआवजा

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की संपत्ति कुर्क करने पर जिला कोर्ट ने रोक लगा दी है। मुआवजे को लेकर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अगली तारीख 23 जून तय की है। किसानों की जमीन के अधिग्रहण मामले में कोर्ट ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव की गाड़ियां कुर्क की थी। गुरुवार को हुई सुनवाई में विश्वविद्यालय की तरफ से अधिवक्ता राजेश पांडेय ने कुर्की की कार्रवाई रोकने और सुनवाई की तारीख बढ़ाने के लिए आवेदन लगाया था। कोर्ट से समय मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने राहत की सांस ली है। विश्वविद्यालय की कुर्क की गई गाड़ियां कोर्ट के कब्जे में हैं, चूंकि मामले को लेकर राज्य शासन सुप्रीम कोर्ट गया है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रबंधन को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है। दरअसल विवि के आसपास के 140 किसानों की जमीन खरीदी के मुआवजे का मामला जिला न्यायालय में 2005-2006 में दायर किया गया था। 2017 में इस मामले में बढ़ा हुआ मुआवजा 30 करोड़ रुपये वसूली की डिग्री का आदेश जारी हुआ है।

मिशन 2023: सत्ता वापसी के लिए होंगे दोगुने प्रयास, रूपरेखा तैयार, मिलेंगे नये चेहरे

नई दिल्ली/रायपुर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का आगाज कर दिया है। पार्टी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व सीएम रमन सिंह समेत दोनों राज्यों के बड़े नेताओं के साथ बैठक की। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि भाजपा एमपी में कुछ मंत्रियों को बदल सकती है। यहां पार्टी 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर बहुमत से सत्ता बनाए रखने की कोशिश में है। जानकार बताते हैं कि एमपी को लेकर हुई बैठक में मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर चर्चाएं की गई हैं। साथ ही परिषदों और बोर्ड्स की नियुक्ति का मुद्दा भी चर्चा में शामिल रहा। वहीं, छत्तीसगढ़ में नए चेहरे के साथ चुनाव में उतरने के आसार हैं। बताया जा रहा है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में इस बार छत्तीसगढ़ में पीएम नरेंद्र मोदी ही सबसे बड़ा चेहरा होंगे। असल में खैरागढ़ उपचुनाव में कांग्रेस से मिली हार के बाद भाजपा को अंदरखाने डर सताने लगा है। इसलिए हाईकमान ने विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी की दशा और दिशा सुधारने का टास्क प्रदेश के नेताओं को दिया है। वहीं इस बात की भी संभावना जताई गई है कि भाजपा नए चेहरे के साथ चुनाव लड़ेगी और शायद सीएम का चेहरा भी चुनाव बाद सामने आए।

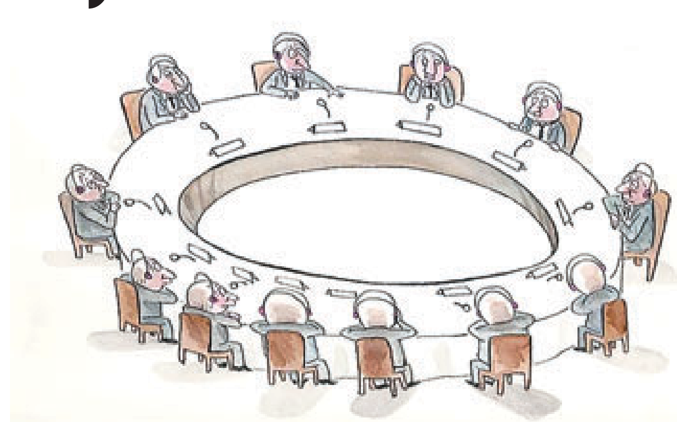

2018 में एमपी में भाजपा को लगा था झटका अब भरपाई की तैयारी

साल 2018 में हुए चुनाव में भाजपा की सीटें 165 से कम होकर 109 पर आ गई थी। वहीं, वोट प्रतिशत भी 41 प्रतिशत पर आ गया था। इससे पहले यह आंकड़ा 43 फीसदी से थोड़ा ज्यादा था। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी राज्य में दोबारा सत्ता हासिल करने में सफल हो गई थी।

आदिवासी समुदायों के बीच पकड़ मजबूत करेगी भाजपा

दिल्ली की बैठक में मिले निर्देशों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में सत्ता में वापसी के लिए भाजपा को प्रयास दोगुने करने होंगे। पार्टी ने ओबीसी और आदिवासी समुदायों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम तैयार किया है। संभावना है कि राज्य में पार्टी नए चेहरे के साथ चुनाव लड़े। दिल्ली की बैठक में पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, महामंत्री (संगठन) पवन साय और नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक मौजूद शामिल हुए। पार्टी अब छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदायों के बीच पकड़ मजबूत करने पर काम शुरू करेगी, क्योंकि सत्ता में वापसी का रास्ता बस्तर और सरगुजा संभाग से ही निकलेगा।

15 साल तक सत्ता में रहने वाली भाजपा जनता की नब्ज टटोलने और सीएम फेस को लेकर चिंतित

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, सीएम चौहान, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, भाजपा महासचिव बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश महासचिव हितानंद शर्मा और राज्य के मंत्री नरोत्तम मिश्रा मौजूद थे। छत्तीसगढ़ में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी बुरी तरह से हार का सामना करने वाली भाजपा अब जनता की नब्ज टटोलने और मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर चिंतित है।

साल 2018 में छत्तीसगढ़ गंवाने वाली भाजपा लगातार 4 उप चुनाव हार चुकी है। 15 नगरीय निकायों के चुनाव में तो पार्टी की एकतरफा हार हुई है। शीर्ष नेतृत्व पार्टी के लगातार खराब प्रदर्शन को लेकर भी परेशान है। हाल ही में पार्टी ने खैरागढ़ विधानसभा उप चुनाव हारा। पहले यह सीट भाजपा के पास थी। फिर जनता कांग्रेस जोगी के पास गई और अब मौजूदा सरकार कांग्रेस के पास है। भाजपा को यहां 20 हजार वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

गुटबाजी पड़ रही भारी

सूत्र बताते हैं कि गुटबाजी की वजह से संगठन में एकता नहीं है। कई गुटों में नेता बंटे हुए हैं। कोई भी बड़े आयोजनों में नेताओं का नहीं आना भी सुर्खियों में रहता है। पिछले चुनाव में आदिवासी सीएम की मांग उठी थी। आदिवासी नेताओं ने इसके लिए आवाज भी उठाई थी। रायपुर व दुर्ग संभाग में भाजपा के दिग्गज नेताओं का गुट भी सक्रिय है। राजधानी रायपुर से लेकर दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर व सरगुजा तक कई गुटों में नेता बंटे हुए हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी व सीएम भूपेश बघेल भी समय-समय पर इस पर तंज कसते रहे हैं। सीएम भूपेश बघेल तो कई बार यहां तक कह चुके हैं कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रदेश संगठन पर भरोसा नहीं है। राष्ट्रीय नेतृत्व यहां के भाजपा नेताओं से किनारा करने लगे हैं। प्रदेश प्रभारी भी स्थानीय नेताओं को तवज्जों नहीं देती।

न्यायपालिका-विधायिका की पाठशाला में सीजेआई और पीएम का मंत्र

बोले: 2047 में हम कैसी न्यायिक व्यवस्था चाहते हैं? यह प्रश्न हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन को संबोधित किया। दिल्ली के विज्ञान भवन में हुए कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, 2047 में जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब हम देश में कैसी न्याय व्यवस्था देखना चाहेंगे? हम किस तरह अपनी न्यायिक व्यवस्था को इतना समर्थ बनाएं कि वो 2047 के भारत की आकांक्षाओं को पूरा कर सके, उन पर खरा उतर सके, यह प्रश्न आज हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। इस कर्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कहा, यह संयुक्त सम्मेलन हमारी संवैधानिक खूबसूरती का सजीव चित्रण है। मुझे खुशी है कि इस अवसर पर मुझे भी आप सभी के बीच कुछ पल बिताने का अवसर मिला है।

समयबद्ध न्याय व्यवस्था का रोडमैप होगा तैयार

पीएम मोदी ने कहा, हमारे देश में जहां एक ओर न्यायपालिका की भूमिका संविधान संरक्षक की है, वहीं विधायिका जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। मुझे विश्वास है कि संविधान की इन दो धाराओं का ये संगम, ये संतुलन देश में प्रभावी और समयबद्ध न्याय व्यवस्था का रोडमैप तैयार करेगा। उन्होंने कहा, हमें अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन

देने की जरूरत है। इससे देश के सामान्य नागरिकों का न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा, वो उससे जुड़ा हुआ महसूस करेंगे।

1450 कानूनों को खत्म किया गया

सीएम-जज कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री ने कहा, एक गंभीर विषय आम आदमी के लिए कानून की पेंचीदगियों का भी है। 2015 में हमने करीब 1800 ऐसे कानूनों को चिन्हित किया था जो अप्रासंगिक हो चुके थे। इनमें से जो केंद्र के कानून थे, ऐसे 1450 क़ानूनों को हमने खत्म किया। लेकिन, राज्यों की तरफ से केवल 75 कानून ही खत्म किए गए हैं।

मध्यस्थता को दिया जाए बढ़ावा

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्रियों ने जेल में बढ़ रही कैदियों की संख्या पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, आज देश में करीब साढ़े तीन लाख कैदी ऐसे हैं, जो अंडर ट्रायल हैं और जेल में हैं। इनमें से अधिकांश लोग गरीब या सामान्य परिवारों से हैं। हर जिले में जिला जज की अध्यक्षता में एक कमेटी होती है ताकि इन केसेस की समीक्षा हो सके, जहां संभव हो बेल पर उन्हें रिहा किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं सभी मुख्यमंत्रियों व न्यायधीशों से अपील करूंगा कि मानवीय संवेदनाओं और कानून के आधार पर इन मामलों को प्राथमिकता दें। न्यायालयों में और खासकर स्थानीय स्तर पर लंबित मामलों के समाधान के लिए मध्यस्थता भी एक महत्वपूर्ण जरिया है। हमारे समाज में तो मध्यस्थता के जरिए विवादों के समाधान की हजारों साल पुरानी परंपरा है। ऐसे में संभव हो तो ऐसे मामलों को मध्यस्थता के जरिए सुलझाया जाए।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक हो कानूनी पढ़ाई

पीएम ने कहा, न्यायिक व्यवस्था में तकनीकि की संभावनाओं को डिजिटल इंडिया मिशन का एक जरूरी हिस्सा मानती है। ई-प्रोजेक्ट कोर्ट को आज मिशन मोड में लागू किया जा रहा है। आज कल कई देशों में लॉ यूनिवर्सिटी में ब्लॉक चेन, इलेक्ट्रॉनिक डिस्कवरी, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक्स, एआई और बायोथिक्स जैसे विषय पढ़ाए जा रहे हैं। हमारे देश में भी लीगल एजुकेशन अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक हो, यह हमारी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्रियों व मुख्य न्यायाधीशों का संयुक्त सम्मेलन में शामिल हुए सीएम बघेल, किया मुख्य न्यायाधीश का अभिवादन

न्य राज्यों के मुख्मंत्रियों से भी मिले

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन हुआ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन्ना का अभिवादन भी किया। इस मौके पर उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्रियों के साथ सम्मेलन की एक तस्वीर भी ट्विटर पर साझा की। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश अलग ही रंग में दिखे। बता दें सीएम भूपेश बघेल शुक्रवार देर शाम रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। वे दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। आज कार्यक्रम के दौरान सीएम बघेल ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान, आंध्रप्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी आदि से आत्मीय मुलाकात की।

रमन की पीएम से मुलाकात पर सीएम भूपेश बोले-भाजपा में कुछ तो पक रहा

दिल्ली रवाना होने से पहले रायपुर एयरपोर्ट पर भूपेश ने ट्रेनें रद किए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले लोग रेल रोकते थे, अब सरकार ट्रेन रोक रही है। देशभर में कोयला आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह केंद्र सरकार का मिस मैनेजमेंट है। सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहले 10 ट्रेन बंद किए और फिर 23 ट्रेन बंद कर दिए। पहले लोग ट्रेन शुरू कराने आंदोलन करते थे, रेल को रोकते थे, आज केंद्र सरकार खुद ट्रेन रोक रही है। कोयला संकट पर भूपेश ने कहा कि पावर प्लांटों में कोयले का संकट है, जिससे कई राज्यों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। कई अन्य उद्योगों में कोयले की आपूर्ति पहले बंद कर दी गई। यह भारत सरकार का मिस मैनेजमेंट है। पिछले बार संकट आया था, तभी इसे ठीक कर लेना चाहिए था। पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह के दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात पर भूपेश ने कहा कि भाजपा के अंदरखाने में कुछ तो पक रहा है, जो निकट भविष्य में सामने आएगा। कुछ तो परिवर्तन का संकेत दिखाए दे रहा है।

झीरम घाटी कांड: नए जांच आयोग को निरस्त करने नेता प्रतिपक्ष ने लगाई हाईकोर्ट में याचिका, 9 मई को होगी सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सल कांड के नए जांच आयोग गठन को नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने जनहित याचिका दायर कर जस्टिस प्रशांत मिश्रा आयोग की जांच रिपोर्ट को विधानसभा में रखे बिना नए आयोग गठन की वैधानिकता पर सवाल खड़ा किया है। जांच आयोग ने शासन को रिपोर्ट सौंप दी है, लेकिन सरकार ने रिपोर्ट सार्वजनिक किए बिना ही नया आयोग गठित कर दिया है। कौशिक ने नए आयोग को निरस्त की मांग याचिका में की है। मामले की सुनवाई अब 9 मई को होगी।

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने अपने वकील विवेक शर्मा के जरिये हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। इस जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस एनके चंद्रवंशी की डिवीजन बेंच में होनी थी। याचिका में बताया गया है कि झीरम घाटी कांड की जांच के लिए पूर्व में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के जस्टिस प्रशांत मिश्रा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग गठित की थी। आयोग ने 8 साल तक सुनवाई की और जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी। नियम के तहत जांच रिपोर्ट 6 माह के भीतर विधानसभा में पेश कर सार्वजनिक किया जाना था, लेकिन सरकार ने ऐसा न कर जस्टिस सुनील अग्निहोत्री और जस्टिस मिन्हाजुद्दीन के न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है।

कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर था नक्सली हमला

25 मई 2013 को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले झीरम घाटी में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर नक्सलियों ने हमला किया था। इस हमले में तत्कालीन पीसीसी चीफ नंदकुमार पटेल उनके बेटे दिनेश पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार सहित 25 से अधिक कांग्रेस नेताओं की हत्या की गई थी। झीरम घाटी की घटना को देश में अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक पार्टी पर हमला माना जाता है।

11 नवंबर 2021 को नए आयोग का हुआ गठन

बता दें कि भाजपा डॉ. रमन सिंह सरकार ने 28 मई 2013 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में झीरम घाटी हत्याकांड पर जांच आयोग का गठन किया था। 30 सितंबर 2021 को आयोग का कार्यकाल खत्म होने के बाद 11 नवंबर 2021 को आयोग के सचिव एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) संतोष कुमार तिवारी ने राज्यपाल अनुसुईया उइके को रिपोर्ट सौंप दी थी। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने जांच आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की बजाए 11 नवंबर 2021 को ही एक नया दो सदस्यीय जांच आयोग का गठन कर दिया।

संपादकीय

कटौती की आहट

देश में जहां तापमान बढ़ने से चिंता बढ़ी है, वहीं बिजली की खपत भी रिकॉर्ड स्तर पर है। अभी तक जो स्थिति है, उसे बहुत चिंताजनक तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन सावधान रहने की जरूरत है। राज्य सरकारों को संयम रखना चाहिए, लेकिन संकट की आशंका से कुछ राज्य सरकारें ज्यादा चिंतित हैं। एक सवाल यह पैदा हो गया है कि क्या देश में कोयले का अभाव होने लगा है? सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) की डेली कोल स्टॉक रिपोर्ट के मुताबिक, 165 ताप विद्युत घरों में से 56 में 10 प्रतिशत या उससे कम कोयला बचा है। कम से कम 26 के पास पांच फीसदी से कम कोयला भंडार बचा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भी ऊर्जा संकट और कोयले के अभाव के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाया है। पर इसके जवाब में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) का बयान खास मायने रखता है। एनटीपीसी ने कहा है कि उसके पास कोयले की कमी नहीं है।

> रेलवे कोयले के परिवहन के लिए युद्धस्तर पर कदम उठाने की कोशिश कर रहा है और कोशिश में है कि कोयला बिजली संयंत्रों तक पहुंचाने में कम समय लगे। ट्रेनों के रद्द होने से भी संकट की गंभीरता का अंदाजा होता है। जिन लोगों की यात्रा प्रभावित होगी, उनके बारे में भी सोच लेना चाहिए। बिजली क्षेत्र की जरूरतों को युद्ध स्तर पर पूरा करना चाहिए। बिजली सबको चाहिए, तो इसके लिए सबको सोचना भी पड़ेगा।

दरअसल, भीषण गरमी की वजह से राजधानी दिल्ली में बिजली की मांग अप्रैल महीने में पहली बार 6,000 मेगावाट प्रतिदिन के स्तर को पार कर गई है। पूरे देश में बिजली की बढ़ी हुई मांग को समझने के लिए यह एक मिसाल ही काफी है। भारत में भीषण गरमी के चलते छह साल से अधिक समय में सबसे विकट बिजली की कमी देखी जा रही है। चूंकि भारत में विद्युत उत्पादन ज्यादातर कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों में होता है, इसलिए कोयले की मांग बहुत बढ़ गई है। कोयले का भंडार कम से कम नौ वर्षों में सबसे कम पूर्व-ग्रीष्मकालीन स्तर पर है। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, भारत में ऊर्जा की मांग रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। आपूर्ति में कमी नहीं आई है, लेकिन मांग बढ़ गई है। कमी दो प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन असर कुछ राज्यों में दिखने लगा है। जम्मू-कश्मीर से आंध्र प्रदेश तक दो घंटे से लेकर आठ घंटे तक की बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली में अभी विशेष कटौती नहीं हो रही है और न उत्तर प्रदेश में कोई बड़ी परेशानी सामने आई है। लेकिन संकट आगे न बढ़े, इसके लिए पूरे इंतजाम की जरूरत है। आम लोगों को भी अपने-अपने स्तर पर जरूरी बिजली का ही उपयोग करना चाहिए, यह वाजिब सलाह राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी दी है।

देश में ऊर्जा उत्पादन के लिए जिम्मेदार प्रमुख उपक्रम एनटीपीसी ने आश्वस्त करने की कोशिश की है, लेकिन तब भी सचेत रहना समय की मांग है। गरमी जैसे-जैसे बढ़ेगी, बिजली की मांग में भी अप्रत्याशित वृद्धि होगी। समस्या के बढ़ने से पहले ही समाधान सुनिश्चित कर लेना चाहिए। गौर करने की बात है कि कोयले की आपूर्ति अबाध करने के लिए अनेक ट्रेनों के संचालन को रोका गया है। इसका मतलब केंद्र सरकार गंभीर है। इसमें कोई शक नहीं, कोयले के अभाव की वजह से संकट खड़ा हुआ, तो केंद्र सरकार को ही आलोचना झेलनी पड़ेगी। रेलवे कोयले के परिवहन के लिए युद्धस्तर पर कदम उठाने की कोशिश कर रहा है और कोशिश में है कि कोयला बिजली संयंत्रों तक पहुंचाने में कम समय लगे। ट्रेनों के रद्द होने से भी संकट की गंभीरता का अंदाजा होता है। जिन लोगों की यात्रा प्रभावित होगी, उनके बारे में भी सोच लेना चाहिए। बिजली क्षेत्र की जरूरतों को युद्ध स्तर पर पूरा करना चाहिए। बिजली सबको चाहिए, तो इसके लिए सबको सोचना भी पड़ेगा।

भारत की ये सच्चाई

संभव है कि सच इससे भी कहीं ज्यादा संगीन हो। फिर ये उस राज्य की कहानी है, जिसे भारत में अपेक्षाकृत समृद्ध माना जाता है। अगर वहां यह सूरत है, तो फिर पिछड़े और गरीब राज्यों में क्या हालत होगी, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। मगर ये साफ है कि हमारे समाज की असल सच्चाई यही है। महाराष्ट्र सरकार ने माना है कि राज्य में पिछले तीन सालों में कुपोषण से 6,852 बच्चों की मौत हो गई। जाहिर है, ये सरकारी आंकड़े हैं। यानी संभव है कि सच इससे भी कहीं ज्यादा संगीन हो। फिर ये उस राज्य की कहानी है, जिसे भारत में अपेक्षाकृत समृद्ध माना जाता है। अगर वहां यह सूरत है, तो फिर पिछड़े और गरीब राज्यों में क्या हालत होगी, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। भारत के विश्व गुरु या महाशक्ति बनने की कहानी इन दिनों बहुत लोकप्रिय है। मगर समाज की असल सच्चाई यह है। अगर बच्चों को पूरा पोषण नहीं मिलता हो, तो फिर समाज कितना समृद्ध और विकसित है, वह अपने-आप जाहिर हो जाता है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर एक समिति बनाई थी। उसकी रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। अदालत ने मार्च में जिला कलेक्टरों और जिला मजिस्ट्रेटों को सर्वे कर राज्य में ऐसे इलाकों को चिह्नित करने का आदेश दिया था, जहां आज भी बाल विवाह कराए जाते हैं। 2019 से लेकर 2022 तक राज्य के 16 आदिवासी जिलों में सर्वे कर इन आंकड़ों को इकट्ठा किया गया। सर्वे आंगनवाड़ी सेविकाओं और आशा सेविकाओं ने किए। रिपोर्ट में जो हकीकत सामने आई है वो दिखाती है कि बाल विवाह और कुपोषण जैसी समस्याएं आज भी भारत में विकराल रूप में मौजूद हैं।

राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि राज्य में बाल विवाह और कुपोषण के आंकड़ों का पता लगाने के लिए पहले कुपोषित बच्चों की जानकारी इकट्ठा की गई और फिर उनके माता पिता का पता लगाया गया। उद्देश्य यह पता लगाना था कि कितनी माएं नाबालिग यानी 18 साल से कम उम्र की थी।

> अंतर्राष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम बस्तर में बन कर तैयार है, सिंथेटिक ट्रैक बन कर जगदलपुर में तैयार है, सभी खेल मैदानों को बेहतरीन उच्च क्वालिटी का बनाया जा रहा है, बस्तर के हर जिले का प्रशासनिक अमला जोर शोर से विशेष रूचि लेकर कार्य कर रहा है। राज्य शासन भी खेलों के विकास के लिए बस्तर में बेहतर काम कर रही है। इन सबको देखते हुए मुझे लग रहा है, बस्तर का खेलों के क्षेत्र में बहुत उज्जवल भविष्य है। वह दिन अब दूर नहीं है जब बस्तर का नाम खेल दुनिया में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा।

बस्तर में खेलों का विकास

शशांक श्रीधर शेंडे, आकाशवाणी केन्द्र, जगदलपुर, जिला-बस्तर

बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में नौकरी के लिए 1988 नवम्बर को जब मैं निकला तो माँ बोली वहां मत जा, आदिवासी लोग तीर मार देते हैं। देशभर के आम जनमानस में बस्तर की अमूमन यही तस्वीर थी। क्षेत्रफल में केरल से बड़ा होने के बावजूद और खनिज भंडारों के अकूत संपदा का मालिक होने के बाद भी बस्तर अत्यन्त पिछड़ों में गिना जाता था। जब तक बस्तर मध्यप्रदेश का हिस्सा था यहाँ विकास की चिड़िया को पंख भी नहीं लगे थे। सामान्य विकास का नामोनिशान नही था तो खेलों का विकास तो जैसे कल्पना के आकाश में उड़ने जैसा ही था।

वर्ष 2000 का नवम्बर महीना बस्तर के लिए सौगात लेकर आया जब अटल बिहारी जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया मध्यप्रदेश से अलग करके। तब शनैः शनैः विकास की नदिया का पानी बस्तर की ओर भी बहने लगा कहूँ, तो अतिशयोक्ति न होगी। वर्ष 1975 से आरम्भ हुई ठाकुर विजय बहादुर गोल्ड कप फुटबाल प्रतियोगिता मानों यहाँ का विश्व कप फुटबाल था। यही एकमात्र खेल था जिसके लिए पूरा जगदलपुर और आस पास के उड़ीसा के भी गावों के लोग मैच देखने आया करते थे और शहर का सिटी ग्राउंड खचाखच भर जाता था। लेकिन इसके अलावा कोई ऐसा उल्लेखनीय खेल और नहीं था, जो इतना अधिक लोकप्रिय हो। वैसे तो यहाँ वॉलीबाल, कबड्डी, हॉकी, क्रिकेट भी चलन में थे पर अत्यधिक लोकप्रिय फुटबाल ही रहा जिसमें पश्चिम बंगाल, पंजाब, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, ओड़िसा, गोवा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश की नामी टीमें आया करती थीं।

लगभग 20 वर्ष पहले जगदलपुर शहर में महिलाओं के राष्ट्रिय खेल का आयोजन हुआ जिसमे विभिन्न खेल शामिल थे, खो खो, कबड्डी, फुटबाल, लम्बी कूद, ऊँची कूद, बाल बैडमिंटन, हैंडबाल, वॉलीबाल इत्यादि, इसमें देश के लगभग सभी राज्यों से टीमों ने शिरकत की थी। उसकी वजह से बस्तर में खेल गतिविधियों की हलचल बढ़ गई और इस खेल के बाद नेशनल शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और मुझे लगता है, इस राष्ट्रीय खेल ने बस्तर में खेलों के विकास के लिए तड़के का काम किया, क्योंकि इससे बालिकाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ी और उनमें आत्मविश्वास जागृत हुआ और मैंने व्यक्तिगत रूप से बड़ा फ़र्क़ ये महसूस किया कि जगदलपुर में स्थित माता रुक्मणि बालिका आश्रम डिमरापाल में जबरदस्त उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ और बालिकाओं को प्रोत्साहित करने ले लिए आश्रम के प्रबंधक पद्मश्री धर्मपाल सैनी जी का अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरनीय और अद्भुत योगदान रहा।

बस्तर संभाग में माता रुक्मणि संस्थान के लगभग 40 आश्रम हैं, जो पद्मश्री धर्मपाल सैनी जी की तपस्या का फल है, उन्होने बस्तर के गाँव गाँव से बीहड़ वन क्षेत्र से बच्चियों को शिक्षित करने के लिए अपने आश्रम में लाया उनको पढ़ाया लिखाया उनकी इसी समाज सेवा और विशिष्ट कार्य के लिए उनको पद्मश्री से नवाज़ा गया। समाज सेवा और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में वे अग्रणी तो थे ही परन्तु खेल के लिए उनके योगदान को नकार नहीं सकते। वे स्वयं ही सुबह से बालिकाओं को लेकर मैदान में पहुँच जाते हैं और उनका उत्साहवर्धन करते हैं। उनके सान्निध्य में रहकर कई बच्चे निखर कर आगे आये। बालमति ने तो राज्य स्तरीय मैराथन में पहला स्थान पाया था। बस्तर में खेलों के विकास में सैनी जी को कोई भूल नहीं सकता। आज भी 93 वर्ष की आयु में वे आपको खेल के मैदान में मिल जायेंगे। उनके जज़्बे को मेरा नमन है। वे हमारे लिए बस्तर का गौरव हैं एक धरोहर हैं और माता रुक्मिणी आश्रम खेलों में मील का पत्थर। आज स्थिति ये है की आश्रम की बालिकायें राज्य स्तर पर, राष्ट्र स्तर पर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी परचम लहरा रहीं हैं। कई खेलों में आश्रम की बालिकाओं का अहम् योगदान साबित हो रहा है, चाहे मैराथन हो, तीरंदाजी हो, फुटबाल हो, योग हो।

यहाँ पर मैं नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन का उल्लेख करना भी महत्पूर्ण समझता हूँ। यहाँ के बालकों ने देश की स्कूल स्तर की प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता संतोष ट्राफी जीतकर बस्तर को गौवान्वित किया और न सिर्फ बस्तर का, राज्य का डंका फुटबाल में बजा दिया। वहां के बच्चों ने भी कई खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर का नाम ऊँचा किया है, बीजापुर बचेली के बच्चे बैडमिंटन में काफी अच्छा कर रहे हैं। शतरंज के खेल में जगदलपुर के लव्यज्योति ने बालक वर्ग में 2021 में अन्डर 12 में राष्ट्र स्तर पर धमक पैदा की राष्ट्रीय स्तर पर हुई ऑलाइन प्रतियोगिता में उसने प्रथम स्थान प्राप्त कर बस्तर और पूरे छतीसगढ़ का मान बढ़ाया यह बस्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मुझे उसमे भविष्य का ग्रैंडमास्टर नज़र आ रहा है।

बस्तर की पर्वतारोही नैना धाकड़ ने हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माऊंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त की। नैना धाकड़ की यह उपलब्धि अद्भुत और लाजवाब है। वह बस्तर के खिलाड़ियों की प्रेरणा है नैना छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला है जिसने माऊंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराया है।

बस्तर में कई खेलों में अनेक संभावनाएं हैं क्योंकि यहाँ प्रतिभाओं की कमी नहीं है, फुटबाल जुडो कराटे, किक बॉक्सिंग, क्रिकेट, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, नौका दौड़ में खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं तथा राष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दे रही हैं। ग्रामीण खेलों का भी माहौल जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से बहुत बढ़िया बन रहा है। खो खो, कबड्डी, योग, मलखम्ब इत्यादि में बस्तर के बच्चे आगे निकल रहे हैं। मार्च 2022 हरियाणा के पंचकुला में सम्पन्न हुई राष्ट्रिय सिविल सर्विसेस की बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी बस्तर के मनोज लकड़ा, नेगी, जगत साव, बी एस ध्रुव, एस। एस। शेंडे, डॉ। बी प्रकाश मूर्ती, राबर्टसन, नितेश महंत, हलीम और नेताम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर और पदक जीतकर बस्तर में खेलों के विकास की ओर बढ़ते क़दमों की आहट से ध्यान आकर्षित किया है।

कोचिंग व्यवथा के कमी की वजह से खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता लेकिन अब बस्तर में एनआई एस कोच भी उभरने लगे हैं जो बस्तर के आने वाले भविष्य की ओर इंगित करते हैं। साथ ही कुछ अच्छे पुराने खिलाड़ी भी बालक और बालिकाओं के लिए पसीना बहा रहे हैं जो सराहनीय है। क्रिकेट में आनंद मोहन मिश्रा, राजकुमार महतो, जोगेन्द्र ठाकुर, अनुराग शुक्ला, करनदीप सग्गू एथलेटिक्स में अजय व संजय मूर्ती, हाकी में पिल्ले, जुडो में मोईन अली, मकसूदा हुसैन, ठाकुर मास्टर्स एथलेटिक्स में नबी मोहम्मद, अशोक राव, बास्केटबाल में संगीता तिवारी, फुटबाल में रूपक मुखर्जी, गौतम कुंडू, विश्वजीत भट्टाचार्य इत्यादि। रूपक मुखर्जी तो फुटबाल के राष्ट्रीय रेफरी भी बने, शतरंज में राजेश जेना और रविन्द्रनाथ कुलगुरु बस्तर से पहले आर्बिटर बने।

इन सबके अलावा 2018 से लागू हुई भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना खेलो इंडिया के अंतर्गत बस्तर की खेल प्रतिभाओं को निखारने, उनकी खोज करने, कम्युनिटी कोचिंग क्लास, खेल के मैदानों का विकास, खेलों का स्तर उठाने के लिए मुलभूत ढांचा तैयार करने, खेल अकादमी का निर्माण इत्यादि पर प्रशंसनीय कार्य बस्तर में भी हो रहे हैं, इसके अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय स्तर का फुटबाल स्टेडियम बस्तर में बन कर तैयार है, सिंथेटिक ट्रैक बन कर जगदलपुर में तैयार है, सभी खेल मैदानों को बेहतरीन उच्च क्वालिटी का बनाया जा रहा है, बस्तर के हर जिले का प्रशासनिक अमला जोर शोर से विशेष रूचि लेकर कार्य कर रहा है। राज्य शासन भी खेलों के विकास के लिए बस्तर में बेहतर काम कर रही है। इन सबको देखते हुए मुझे लग रहा है, बस्तर का खेलों के क्षेत्र में बहुत उज्जवल भविष्य है। वह दिन अब दूर नहीं है जब बस्तर का नाम खेल दुनिया में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बड़े खिलाड़ियों का लचर खेल और सामने खड़ा विश्व कप

मनोज चतुर्वेदी, वरिष्ठ खेल पत्रकार

आईपीएल का 15वां सत्र अपने शबाब पर है। चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस जैसी दिग्गज टीमें मुश्किल दौर से गुजर रही हैं, तो लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स जैसी नई टीमों के साथ नए कलेवर वाली राजस्थान रॉयल्स जलवा बिखेर रही है। लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत टीम इंडिया के स्तंभ माने जाने वाले कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, पेस गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के प्रदर्शन को लेकर है। भारतीय टीम के इन 'फेब फाइव' का रंगत में न होना चिंताजनक है, क्योंकि इसी अक्तूबर के मध्य में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप की शुरुआत होनी है। भारत को यदि पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए टी-20 विश्व कप की निराशा से उबरना है, तो इन पांचों का रंगत में होना जरूरी है।

यदि हम पिछले चार-पांच वर्षों में टीम इंडिया की अंतरराष्ट्रीय सफलताओं पर नजर डालें, तो रन बनाने के मामले में विराट और रोहित का अहम योगदान रहा है। पिछले टी-20 विश्व कप में भारत को सेमीफाइनल में अपना स्थान बनाने के लिए ग्रुप में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड में से किसी एक को हराना जरूरी था। पर रोहित के दोनों मैचों में और विराट के न्यूजीलैंड के खिलाफ न चलने से भारत दोनों मैच हारकर सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सका था। बुमराह और शमी की गेंदबाजी भी उम्मीद के अनुरूप नहीं थी।

इस आईपीएल में तो ऐसा लगता है कि विराट और रोहित का बल्ला एकदम खामोश हो गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी छोड़ने पर माना जा रहा था कि इस बार विराट का बल्ला अपनी चमक बिखेरेगा, क्योंकि वह अब दबाव मुक्त होकर खेलेंगे। लेकिन शुरुआती नौ मैचों में वह सिर्फ 128 रन बना सके हैं। वह इन नौ मैचों में एक भी अर्द्ध-शतक नहीं लगा सके, बल्कि दो में तो शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसी तरह, रोहित शर्मा का बल्ला भी रूठा हुआ लगता है। उन्होंने शुरू के आठ मैचों में 153 रन बनाए और वह भी इनमें कोई अर्द्ध-शतक नहीं जड़ पाए। जाहिर है, इन दोनों के फ्लॉप शो का असर इनकी टीमों पर नजर आ रहा है। कहा जाता है कि यदि खिलाड़ी रंगत में न हो, तो उसे विकेट पर टिककर खेलना चाहिए। लखनऊ के खिलाफ रोहित ने विकेट पर टिककर खेलने का प्रयास किया और इसकी वजह से वह काफी समय विकेट पर बने रहे। लेकिन वह अपने शॉट को सही समय न दे पाने के कारण रन-गति नहीं बढ़ा पा रहे थे और इस दबाव से निकलने का प्रयास करते ही विकेट गंवा बैठे।

विराट कोहली पर भी रन न बना पाने का दबाव सिर चढ़कर बोल रहा है और यही दबाव उन्हें लंबी पारी खेलने से रोक रहा है। असल में, विराट पहले विकेट पर जमने और फिर हाथ खोलने के लिए जाने जाते थे। पिछले कुछ समय से उन्होंने अपनी खेल शैली बदली है। वह आते ही बड़े शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं। लगता है, यह स्टाइल उन्हें रास नहीं आ रही। इसमें कोई दो राय नहीं कि रोहित और विराट, दोनों जबर्दस्त क्षमता वाले खिलाड़ी हैं और उन्हें अपनी रंगत पाने के लिए सिर्फ एक अच्छी पारी की जरूरत है। भारतीय टी-20 टीम में रविंद्र जडेजा की भी अहम भूमिका रहती है। पिछले विश्व कप में महत्वपूर्ण मैचों में वह ऑलराउंड प्रदर्शन करने में असफल रहे थे। जडेजा इस सीजन में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। लगता है, चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी मिलने के दबाव में उनका खेल एकदम बिखर गया है। उन्होंने अब तक खेले आठ मैचों में महज 112 रन बनाए हैं और पांच विकेट ले सके हैं।

फेब फाइव में शुमार मोहम्मद शमी तो 10 विकेट लेकर थोड़ी-बहुत रंग में दिख भी रहे हैं, लेकिन भारतीय गेंदबाजी के ट्रंप-कार्ड माने जाने वाले जसप्रीत बुमराह का लय में न होना झटका देने वाला है। वह अब तक सिर्फ पांच विकेट निकाल सके हैं। कहा जाता है कि गेंदबाज जोड़ियों में प्रदर्शन करते हैं। बुमराह की इस बार ट्रेंट बोल्ट के साथ जोड़ी टूटने से उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। टीम इंडिया के लिए खुशी की बात यह है कि युजवेंद्र चहल जबर्दस्त फॉर्म में हैं और लंबे समय तक उनके जोड़ीदार रहे कुलदीप यादव का भी भरोसा लौट आया है। यही नहीं, रोहित के साथ टीम इंडिया में पारी की शुरुआत करने वाले केएल राहुल व ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अच्छी लय में हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

मां गोद में कभी उंगली
पकड़कर लाती थी
भगवन तेरे द्वार करती
थी वो पूजा अर्चन,
स्वाध्याय का अध्ययन
महाव्रतों का नियम करती
थी उनके संस्कारों से
जाग गया मेरा तन मन।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिये राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन , मानक टीम द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड़ का चयन

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिये राष्ट्रीय गुणवत्ता अश्वासन मानक टीम द्वारा पेंड्रा विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड़ का चयन किया गया है। भारत सरकार की टीम द्वारा 11 एवं 12 मार्च 2022 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड़ का निरीक्षण किया गया। भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड़ में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाएं, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन, प्रसव सुविधा, साफ-सफाई सहित विभिन्न मापदण्डों में बेहतर प्रदर्शन के लिये चयन किया गया है। केन्द्र सरकार के संयुक्त टीम द्वारा आमाडाड़ स्वास्थ्य केन्द्र को 85.5 अंक प्रदान कर राष्ट्रीय क्वालिटी ऐसोरेंस मानक के लिये सर्टीफाइड किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होना जिला और राज्य के लिये गौरव की बात है। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड़ के समस्त स्टाफको बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र सिंह पैकरा ने भी इस उपलब्धि के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आमाडाड़ में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी डॉ. शाकिर खान, डॉ. धरमवीर सिंह मरकाम, इमरान खान, राजेन्द्र सिंह, प्रशांत वरकरे, धर्मेन्द्र पैकरा, मनमोहन सिंह, सुनील पाण्डेय, धनकुंदर, चित्रलेखा, नम्रता, जनेहवा, लोकपाल कांत, रणजीत, ललित ठाकुर, गंगासागर, यशपाल, विजयपाल, उत्तम सिंह, जयचंद, जगदीश, गोपाल सिंह तोमर, वर्षा रानी, आशारानी, आरती ताम्रकार, शकुन्तला कोसले, अभिषेक, जितेन्द्र, जोधन, गणेश को संयुक्त प्रयास के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है।

जिला चिकित्सालय जांजगीर-चांपा में डायलिसिस की सुविधा

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। किडनी मरीजों को डायलिसिस कराने अब कोरबा, बिलासपुर नहीं जाना पड़ेगा। आज जिला चिकित्सालय में 05 डायलिसिस मशीन लगा दी गई है। अब जांजगीर जिले के किडनी मरीजों को स्थानीय स्तर पर डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। इससे समय और धन की बचत होगी।

कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला द्वारा डायलिसिस मशीन का स्थानीय मरीजों के त्वरित लाभ देने दो मशीनों का ट्रायल कराया गया। जिला अस्पताल में आज लगाए गए डायलिसिस मशीन का कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला ने अवलोकन किया। उन्होंने डायलिसिस करा रहे किडनी मरीजों का कुशलक्षेम पूछा और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जांजगीर शासकीय अस्पताल में डायलिसिस मशीन की सुविधा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने जांजगीर में 5 डायलिसिस मशीनों की स्थापना पर जिले की आम जनता को बधाई देते हुए कहा कि आज इन मशीनों का ट्रायल किया जा रहा है। इनका औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कर कमलों से किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले के किडनी रोगियों को पहले कोरबा और बिलासपुर जाकर निजी क्लीनिक में डायलिसिस कराना पड़ता था। जिससे गरीब मरीजों को डायलिसिस कराने में काफी राशि खर्च करनी पड़ती थी। राज्य सरकार द्वारा अब यह सुविधा जिला चिकित्सालय जांजगीर में उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने जिले के किडनी रोग ग्रस्त मरीजों को इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की है। जिला चिकित्सालय में स्थापित 5 डायलिसिस मशीनों से प्रति सप्ताह 90 डायलिसिस किए जा सकेंगे। एक मरीज को सप्ताह में 3 डायलिसिस की जरूरत होती है। इस प्रकार प्रति माह 360 डायलिसिस की सुविधा जिले के मरीजों को मिलेगी। इससे किडनी रोग ग्रस्त मरीजों को प्रतिमाह 30 हजार रुपये की बचत होगी। जिला चिकित्सालय जांजगीर में आज दो डायलिसिस मशीन का ट्रायल किया गया। जांजगीर के किडनी मरीज रोहन तिवारी वार्ड क्रमांक 23 और रामकिशोर शुक्ला की किडनी का आज डायलिसिस किया गया।

स्वयं को डर और बुराई की प्रवृत्ति से हटाकर अच्छाई की दिशा में ले जाए- प्रीति चांडक

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। बीते हुए को नहीं बदल सकते, लेकिन अपनी सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाकर आने वाला कल को बेहतर जरूर बनाया जा सकता है, क्योंकि जो शेष है, वही विशेष है। इन वाक्यों को ध्यान में रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उपजेल एड़का के बंदियों की सोच में सकारात्मकता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके तहत बंदियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट प्रीति चांडक ने जेल बन्दियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का ध्येय होना चाहिए कि उसका मस्तिष्क भी शरीर के अन्य हिस्से की तरह संतुलित एवं स्वस्थ बना रहे। स्वयं को हार, डर और बुराई की प्रवृत्ति से हटाकर उपलब्धि, जीत और अच्छाई की दिशा में ले जाए। मस्तिष्क स्वस्थ और शांत होता है तो जीवन अर्थपूर्ण और लक्ष्य को समर्पित होता है। अन्यथा उसमें खालीपन भर जाता है, अनेक घातक बीमारियों को पनपने का कारण बनता है।

कहा भी गया है खाली दिमाग शैतान का घर होता है। यह खालीपन बहुत बार मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक बीमारियों का कारण भी बनता है। मस्तिष्क की अस्वस्थता से शरीर ही नहीं, आत्मा भी बीमार हो जाती है। उन्होंने तनाव प्रबंधन प्रशिक्षण में बंदियों में होने वाले तनाव के विभिन्न कारक जैसे घर-परिवार से दूर रहना, अपने द्वारा किए गए कृत्य को लेकर आत्मग्लानि महसूस करना, जेल का परिवेश ,अपनों की चिंता, असर्टिवनेस टेक्निक ,वेंटीलेशन टेक्निक, म्यूजिक थेरेपी इत्यादि पर चर्चा की।

प्रभारी सचिव ने पेड़ के नीचे चौपाल, सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। गृह एवं जेल विभाग के प्रमुख सचिव तथा जिले के प्रभारी सचिव मनोज कुमार पिंगुआ सीतपुर जनपद के ग्राम मंगरैल गढ़ पहुंचे। यहाँ उन्होंने अधिकारियों सहित आम पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणो की संस्याएँ सुनी। सरपंच, पंच समूह की महिलाएं तथा ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताई व कुछ मांगे रखी।

समूह की महिलाओं की मांग पर ग्राम भुसु में कोल्ड स्टोरेज, क्लस्टर हाल निर्माण, मंगरैल गढ़ मंदिर परिसर में सामुदायिक शौचालय, साहनपुर व खड़ादोरना सरपंच के मांग पर मिडिल व प्राथमिक शाला भवन का मरम्मत कार्य हेतु प्रस्ताव देने के प्रभारी सचिव द्वारा दिया गया।

प्रभारी सचिव ने गोठन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं स्व सहायता समूह को महिलाओं से गोठान में चल रहे विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने गोठान में सब्जी की खेती व रीपा के तहत अधौगिक इकाई को ठीक से संचालित करने कहा।

उन्होंने गांव में पेयजल की समस्या, राजस्व प्रकरण, पटवारी संबंधित कार्य, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की स्थिति तथा स्कूल एवं शिक्षकों की उपस्थिति के बारे में पूछ-ताछ की। इस दौरान एक ग्रामीण द्वारा राशन कार्ड बनाने तथा एक अन्य हितग्राही द्वारा व्यक्ति गत शौचालय की मांग की गई। प्रभारी सचिव ने हितग्राहियों की समस्या का निराकरण के निर्देश दिए।

15 दिवसीय हस्तशिल्प कला का प्रशिक्षण जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा राजधानी रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ हाट परिसर पंडरी में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण जारी है। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा हस्तशिल्प कला के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 28 अप्रैल से 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण हस्तशिल्प विकास बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ माटी कला विकास बोर्ड के संयुक्त समन्वय से किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ माटीकला विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री बालम चक्रधारी और छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड के प्रबंध संचालक सुधाकर खलखो ने किया। गौरतलब है कि ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने ग्रामोद्योग के व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। जिसके परिपालन में गोदना शिल्प, टेराकोटा शिल्प और एंब्रॉयडरी शिल्प में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रथम चरण के अल्पकालिक प्रशिक्षण में 18 बालिकाएं गोदना शिल्प, 13 कासीदाकारी शिल्प में और टेराकोटा शिल्प में 37 बालिकाएं शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अनाथ आश्रम के 13 बच्चों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड श्री शंकर लाल धुर्वे ने बताया कि ऐसे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिल सके इसके लिए शहर के शासकीय स्कूलों में चर्चा की गई है। शहर की महिलाओं और बालिकाओं से भी प्रशिक्षण के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। इस प्रशिक्षण के लिए 500 रूपए का शुल्क निर्धारित किया गया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ एण्ड ट्रैफिक रिसर्च में 70 शासकीय वाहन चालकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एण्ड ट्रैफ्कि रिसर्च में 27 से 29 अप्रैल तक 70 शासकीय वाहन चालकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस 11 अप्रैल को मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य के सड़क सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के दौरान सुधार की शुरुआत घर से प्रारंभ करने का दिशा-निर्देश दिये थे।

सड़क दुर्घटनाओं में अमूल्य जीवन की क्षति के साथ-साथ सम्पूर्ण परिवार प्रभावित होता है। इसे दृष्टिगत रखते हुए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस तारतम्य में राज्य के महानदी भवन, इंद्रावती स्थित शासकीय कार्यालयों में कार्यरत वाहन चालकों को सुगम एवं सुरक्षित यातायात, वाहन चालन कौशन उन्नयन तथा सड़क सुरक्षा आदि की जानकारी के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा), परिवहन विभाग तथा मारूति सुजूकि द्वारा संचालित इंस्टिट्यूट ऑफ ड्राइविंग एण्ड ट्रैफ्कि रिसर्च ग्राम तेन्दुआ, नवा रायपुर में दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सभी वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्थापित इंस्टिट्यूट ऑफ ड्राइविंग एण्ड ट्रैफ्कि रिसर्च, राज्य में सड़क सुरक्षा एवं वाहन चालन कौशल प्रशिक्षण का आधुनिक संस्थान है। जहां विश्व स्तरीय तकनीक का इस्तेमाल करते हुए प्रशिच्क्षुओं को ऑडियो, वीडियो प्रेजेंटेशन एवं वैज्ञानिक माध्यम से संस्थापित आधुनिक ट्रैक में फील्ड ट्रेनिंग के माध्यम से बहुत ही रोचक तरीके से सड़क सुरक्षा संबंधित सभी आवश्यक पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिभागी वाहन चालकों के वाहन चालन कौशल में विस्तार होगा।

सड़क हादसों से होने वाली अप्रत्याशित क्षति से भी बचाव हो सकेगा तथा समाज के समक्ष शासकीय वाहन चालक आदर्श प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रशिक्षण सत्र में अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) संजय शर्मा द्वारा समस्त वाहन चालकों को यातायात नियमों के अनुपालन सहित सुगम एवं सुरक्षित वाहन चालन, सड़क सुरक्षा के प्रचार-प्रसार सहित संयमित आचरण से समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करने की शपथ दिलाई गई एवं प्रमाण पत्र तथा रोड सेफ्टी एंबेसडर का बैच प्रदान किया गया।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन तथा लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन तथा लोकार्पणनगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन तथा लोकार्पण

नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया ने आज यहां रायपुर जिले के अंतर्गत नगर पंचायत समोदा में करीब 5 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। डॉ. डहरिया ने समोदा में भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में शामिल हुए।

नगरीय प्रशासन मंत्री ने समोदा में अधोसंरचना के तहत 2 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले सी.सी. रोड एवं आर.सी. नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने समोदा के वार्ड 1 में 39 लाख 91 हजार रूपए की लागत से बनने वाले हाट बाजार निर्माण कार्य, प्राथमिक विद्यालय के पास 7 लाख 73 हजार रुपए की लागत के सौन्दर्यीकरण, कर्मा मंदिर के पास डोम शेड एवं फ्लोरिग कार्य लागत 25 लाख रुपए और 20 लाख 78 हजार रुपए लागत के पुन्नी मेला स्थल के विकास एवं उन्नयन कार्य का भूमिपूजन किया।

डॉ. डहरिया ने वार्ड 9 एवं 14 में 50 लाख रुपए की लागत के सामुदायिक भवनों का भूमिपूजन, सहित लगभग 25 रूपए से अधिक के अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

उन्होंने वार्ड 9 कुसुमुंद में 19 लाख रुपए की लागत गौठान के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि विभिन्न समाजों के प्रमुखों सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

4 मई से मुख्यमंत्री करेंगे विधानसभा क्षेत्रों का दौरा

रायपुर। 4 मई 2022 से प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 90 विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर निकल रहे हैं, इस बार एक नया परिवर्तन किया गया है। मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर में विधायक या फ़िर संसदीय सचिव या फ़िर मंत्री या फ़िर निजाम और मंडल के अध्यक्ष जो उस क्षेत्र के हैं वह साथ में रहेंगे। मुख्यमंत्री 1 विधानसभा क्षेत्र में तीन स्थानों पर उतरेंगे अधिकारी वर्ग सड़क मार्ग से सही समय में नहीं पहुंच पाएंगे, इसलिए एक दूसरा हेलीकॉप्टर भी साथ में चलेगा । जिसमें मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, खुफ़िया विभाग के अधिकारी और जिस क्षेत्र में जाएंगे उस जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक इसी दूसरे हेलीकॉप्टर में रहेंगे। यह हवाई दौरा 2023 के विधानसभा चुनाव की तैयारी कहा जा सकता है।

मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ होटल एवं रेस्टॉरेंट एसोसिएशन बोरे बासी महोत्सव का करेगा आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा लगातार छत्तीसगढ़िया पकवानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परंपरा का निर्वहन करने के संदर्भ में आए दिन बाहर से आने वाले मुलाकातियों को जिनमें वरिष्ठ राजनीतिज्ञ एवं वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होते हैं उन्हें छत्तीसगढ़ी पकवान का बकायदा रसास्वादन कराया जाता है। मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर इस बार मई दिवस एक मई के अवसर पर होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन द्वारा बोरे बासी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, अधिकारी, कलेक्टर, एसपी आदि शामिल होकर बोरे बासी का स्वाद चखेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी ने निर्णय लिया है कि वे राजधानी में स्थित अपने संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को नि:शुल्क बोरे बासी का स्वाद चखाएंगे। इसके साथ छत्तीसगढ़ के उक्त पारंपरिक भोजन पर मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की संस्कृति में बोरे बासी खाने पर गर्मी में मिलने वाली एनर्जी पर उपस्थितजनों के बीच संबोधन की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग की चेतावनी : राज्य के कई स्थानों में हो सकती हैं बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फ़िर से मौसम में बदलाव हुआ है। जिसके चलते लू के हालात के बीच गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती। मौसम विभाग ने लू के बीच बारिश को लेकर चेतावनी जारी किया है। प्रदेश में बीते सप्ताह से भीषण गर्मी पड़ रही है। बढ़ते तापमान के चलते कई शहरों में लू के हालात बने हुए हैं। राजधानी रायपुर में भी पारा 43 के आसपास पहुंच गया। वहीं अन्य शहरों की बात करें तो गुरुवार को मुंगेली शहर सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां सर्वाधिक तापमान 45.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं सबसे न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री नारायणपुर में दर्ज किया गया। बारिश को लेकर मौसम वैज्ञानिक एच पी चंद्र ने कहा कि आज अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। लेकिन प्रदेश के एक दो स्थानों पर हल्की बारिश गरज चमक के साथ होने की संभावना है।

अंत्योदय स्वरोजगार एवं आदिवासी स्वरोजगार योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 की भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य निर्धारित

कोरिया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए अनुसूचित जाति (अंत्योदय स्वरोजगार योजना में) जिले को 167 इकाई एवं अनुसूचित जनजाति (आदिवासी स्वरोजगार योजना) में 78 इकाई का लक्ष्य निर्धारण के सम्बंध में सर्वसम्बन्धितो को पत्र जारी किया है।शासन से प्राप्त लक्ष्यों की पूर्ति हेतु लक्ष्य जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, बैंक शाखावार पुनरीक्षित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। उन्होनें योजनान्तर्गत पात्रता रखने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदकों के दुगुने ऋण प्रकरण तैयार कर संबंधित बैंक शाखाओं को लक्ष्यानुसार स्वीकृति हेतु पात्र प्रकरण को मय अनुशंसा सहित भेजे जाने तथा विकासखण्डवार आबंटित लक्ष्य की पूर्ति दिसम्बर 2022 तक स्वीकृत एवं वितरण की कार्यवाही पूर्ण कराए जाने कहा है।

मुख्यमंत्री ने जिला मुख्यालय कोरिया में 44 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले नवीन जिला अस्पताल तथा मातृ एवं शिशु अस्पताल का किया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का हो रहा विस्तार : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूरस्थ अंचल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का मिलेगा लाभमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राजधानी स्थित निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला मुख्यालय कोरिया में 44 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले नवीन जिला अस्पताल तथा मातृ एवं शिशु अस्पताल का वर्चुअल भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत ने की। इनमें 35 करोड़ रूपए की लागत से 200 बिस्तर नवीन जिला अस्पताल और 9 करोड़ रूपए की लागत से 50 बिस्तर वाले मातृ एवं शिशु अस्पताल का निर्माण होगा। इससे कोरिया जिले सहित आस-पास के लोगों को अत्याधुनिक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बीते तीन वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं को आम लोगों के निकट पहुंचाने तथा इलाज को किफायती बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। इस कड़ी में आज कोरिया के जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण सौगात मिली है, इससे प्रदेश के दूरस्थ और वनांचल के लोगों सहित कोरिया के जिलेवासियों को अत्याधुनिक और सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। इस अवसर पर गृह तथा लोक निर्माण मंत्री और कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू, सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुलाब कमरो, विधायक यू.डी.मिंज सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे बताया कि कोरिया जिले के सम्पूर्ण विकास के लिए वहां अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का तेजी से क्रियान्वयन जारी है।

आज कोरिया जिले को मिली सौगात की स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में अहम भूमिका होगी। इनमें निर्माण होने वाले सर्वसुविधायुक्त नवीन जिला अस्पताल में आधुनिक आईसीयू ऑपरेशन थिएटर, सीटी स्कैन, एमआईआर, ईसीजी आधुनिक लैब, बर्न यूनिट, डायलिसिस यूनिट, सर्जिकल वार्ड, ब्लड बैंक, कैजुअलटी एवं ट्रामा यूनिट तथा अन्य अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होगी।

इसमें 7 लाख 45 हजार से अधिक जिलेवासियों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं जिला मुख्यालय में ही उपलब्ध हो जाएंगी। नवीन मातृ एवं शिशु अस्पताल से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य को नई दिशा मिलेगी। नवीन मातृ एवं शिशु अस्पताल में आईसीयू, एनसीआर, एसएनसीयू, प्रसव कक्ष एवं अन्य अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होगी।

कुपोषण मुक्त किया जा चुका है। कोरिया जिले ने राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि वर्तमान में कोरिया जिले में 22 उप स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए 33 वेंटीलेटर बेड, 60 आईसीयू बेड, 539 ऑक्सीलनयुक्त बेड जोड़े गए हैं। महिलाओं एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के रूप में प्रभावी पहल की गई है। बहुत कम समय में हमें इसके बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। कोरिया जिले में कुपोषण का स्तर वर्ष 2019 में 24.52 प्रतिशत था। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत किए गए प्रयासों से यह घटकर अप्रैल 2022 में मात्र 6.41 प्रतिशत रह गया है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियन के अंतर्गत यहां अब तक 8948 बच्चों को कुपोषण मुक्त किया जा चुका है। कोरिया जिले ने राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक हासिल किया है, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि कोरिया जिले के सम्पूर्ण विकास को तीव्र गति दी जा रही है। इनमें वर्ष 2022-23 के बजट में कोरिया जिले की 17 सड़कों एवं पुल-पुलियों के लिए 47 करोड़ 60 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है, इससे जिले में सड़कों का विस्तार होगा, आवागमन की सुविधा बढ़ेगी तथा आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। जिले के विकासखण्ड भरतपुर के कोटाडोल को नवीन तहसील एवं भरतपुर तथा खड़गवां-चिरमिरी में नवीन अनुविभाग कार्यालय बनाए जा रहे हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के निर्माण की प्रक्रिया जारी है, नया जिला जल्द अस्तित्व में होगा। नये जिले के लिए ओएसडी की नियुक्ति कर दी गई है। कोरिया जिले में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना का शुरूआती बिंदु है। यहां स्थित सीतामढ़ी-हरचौका को भी पर्यटन तीर्थ के रूप में विकसित करने का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत, गृह तथा कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू, स्वास्थ्य मंत्री टी.एस.सिंहदेव, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, गुलाब कमरो, डॉ.प्रीतम राम तथा संसदीय सचिव सुश्री अम्बिका सिंहदेव ने भी सम्बोधित किया और कोरिया जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिली सौगात के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में आयुक्त स्वास्थ्य डॉ.सी.आर.प्रसन्ना,प्रबंध संचालक सी.जी.एम.एस.सी. अभिजीत सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

बेलगहना और रतनपुर को तहसील के दर्जा देने पर नागरिकों ने मुख्यमंत्री के प्रति प्रकट किया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में बिलासपुर जिले के बेलगहना और रतनपुर से आए नागरिकों के प्रतिनिधि मंडल ने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव के नेतृत्व में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने बेलगहना और रतनपुर को तहसील का दर्जा देने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कृषि एवं जलसंसाधन मंत्री श्री रविन्द्र चौबे भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना संकट की चुनौतियों के बाद भी राज्य सरकार जनता से किया वायदों को पूरा कर रही है।राज्य सरकार का यह प्रयास है कि आम जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के अच्छे अवसर मिलें। व्यवस्थाएँ चुस्त-दुरुस्त हों जिससे आम जनता के कार्य बिना किसी दिक्कत के आसानी से हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रशासन को जनता के नजदीक लाने के लिए 6 नए जिलों और 85 नई तहसीलों की घोषणा की गई है। इनमें से गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला गठित किया जा चुका है तथा शेष जिलों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घोषित की गई तहसीलों में से 52 तहसीले शुरू हो गई है। संभवत: किसी सरकार के एक कार्यकाल में 85 नई तहसीलों की घोषणा की गई है। नई तहसीलों के गठन से राजस्व संबंधी कार्यो में लोगों को सहूलियत होगी। आय, जाति प्रमाण पत्र बनाने, जमीन से जुड़े मामलों का आसानी से निपटारा हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने हाट बाजार क्लिनिक योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना और राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना का उल्लेख करते हुए इन योजनाओं के माध्यम से जनता को हो रहे लाभ की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव ने क्षेत्र के लोगों की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध तीर्थ रतनपुर को प्रसाद योजना में शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के माध्यम से रतनपुर में विकास कार्य, जनसुविधाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री की पहल पर जलसंसाधन विभाग द्वारा खूंटाघाट के टापू में रेस्टोरेंट बनाने और एक हेक्टेयर जमीन कॉटेज बनाने के लिए उपलब्ध कराई है। इससे खूँटाघाट में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर रतनपुर और बेलगहना से आए सर्वश्री संदीप शुक्ला, आनंद जायसवाल, सुभाष अग्रवाल, कुलवंत सिंह, दामोदर क्षत्री, मदन कहरा, रामगोपाल कहरा, महावीर साहू, श्रीमती पूर्णिमा वैष्णव, श्रीमती कुमारी बाई सहित अनेक नागरिक शामिल थे।

ग्रामीणों की समस्या का किया गया निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोयलीबेड़ा विकासखंड के इरपनार ग्राम पंचायत में जिला प्रशासन द्वारा जन चौपाल लगाया गया, जिसमे मुख्य रूप से स्थानीय विधायक अनूप नाग, कलेक्टर कांकेर चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा उपस्थित रहे। जन समस्या निवारण शिविर (चौपाल) में कई ग्रामों से लोग शामिल हुए।

जानकारी के मुताबिक बता दे की इरपानार जन चौपाल में 181 आवेदन प्राप्त हुए , इनमें 167 आवेदन विभिन्न प्रकार के मांग से संबंधित थे तथा 14 आवेदन विभिन्न प्रकार की समस्या से संबंधित था। प्राप्त आवेदनों में से 81 मांग एवं 11 समस्या संबधी आवेदनों का निराकरण मौके पर किया गया, शेष लंबित आवेदनों का निराकरण यथा शीघ्र किये जाने की बात कही गई है।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने कहा कि पुलिस से संबंधित जो भी समस्या हो उसे बतायें, उनका निराकरण किया जायेगा। आपकी समस्या को आपके गांव में ही निराकृत करने के लिए यह जनचौपाल आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम भी आयोजित किया जा रहा है, ताकि आपस में मेल-जोल बढ़े।

इस दौरान जन चौपाल में विधायक प्रतिनिधि टुलू भट्टाचार्य, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल, एसडीएम पखांजूर एएस पैकरा, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों में शिक्षकीय और गैर शिक्षकीय कोई भी पद खाली न रहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने मंत्रालय में राज्य में संचालित हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में कहा कि इन स्कूलों में सभी शिक्षकीय और गैर शिक्षकीय पद रिक्त नहीं रहना चाहिए। शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले शिक्षकों के सभी पदों पर नियुक्ति पूर्ण कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के संचालन की पूरी जिम्मेदारी प्राचार्यों की है। प्रमुख सचिव ने कहा कि इन स्कूलों में बच्चों के परफॉर्मेंस के आधार पर रैंकिंग की जाएगी। शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता न करें। कोरोनाकाल में छत्तीसगढ़ में शिक्षकों ने जो अच्छा कार्य किया है उसे और आगे बढ़ाना है। स्कूल अच्छे से चलेंगे, तभी बच्चे देश में नाम कमाएंगे। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में प्रवेश के लिए आए आवेदनों की संख्या से इसकी लोकप्रियता के साथ ही लोगों की अपेक्षाएं बढ़ी है।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने कहा कि शिक्षण व्यवस्था में सुधार लाने से ही बच्चों के शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में शिक्षण के साथ ही पाठ्येत्तर गतिविधियां जैसे खेल-कूद, संगीत आदि भी आवश्यक है। इससे बच्चों का सर्वांगिण विकास होता है। बच्चों की पढ़ाई और उस अच्छे से सीखना ही शिक्षकों की सफलता है। डॉ. शुक्ला ने कहा कि इन सभी स्कूलों में अधोसंरचना के स्वीकृत कार्य बरसात से पहले पूर्ण कर लिए जाए। पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें तो है, इसके साथ ही कहानी और कविता की पुस्तकें रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण भी जरूरी है। इसके लिए प्रत्येक विषय में अच्छे शिक्षकों का चिन्हांकन कर प्रशिक्षण दिया जाए। इस वर्ष स्कूल खुलते ही पढ़ाई में कमजोर बच्चों के लिए रेमेडियल टीचिंग की व्यवस्था की जाए। डॉ. शुक्ला ने कहा कि अब हर माह स्वामी आत्मानंद स्कूल के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक होगी।

सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन ने कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चे राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में शामिल हो। इन स्कूलों के बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए स्कूल स्तर से राज्य स्तर तक विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाए। कक्षा 12वीं के बच्चों के लिए स्टार्ट-अप और अन्य तकनीकी विषयों में प्रतिभा दिखाने का मौका मिलना चाहिए। विशेष सचिव स्कूल शिक्षा श्री राजेश सिंह राणा ने कहा कि ऑनलाइन सर्वे की एंट्री सॉफ्टवेयर में दर्ज कर ली जाए। शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए प्रत्येक विषय के पांच-पांच टेऊनर के नाम एस.सी.ई.आर.टी. को भेज दे। संचालक लोक शिक्षण श्री सुनील जैन ने कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों की समीक्षा अब ऑनलाइन एंट्री के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन एंट्री में प्रत्येक स्कूल में शिक्षकों और प्रवेश लेने वाले छात्रों की जानकारी फ़ोटो से दर्ज की जाएगी। अधोसंरचना के कार्य और उसकी प्रगति की जानकारी भी दर्ज करना होगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

गर्मियों में बालों में लगाएं चाय पत्ती का पानी, बनेंगे मजबूत आएगी चमक

मौसम के बदलने पर या गर्मी में पसीना आने की वजह से हमारे बालों पर बुरा प्रभाव पड़ता है. पसीने से हमारे बाल खराब और रूखे होते हैं. वहीं कई लोगों के बाल ऑयली हो जाते हैं. ऐसे में बालों की देखभाल करना व्यक्ति के थोड़ा मुश्किल भरा हो जाता है. जब बाल झड़ने और टूटने शुरू हो जाते हैं तो हम सभी लोग डॉक्टर से इलाज करने का मन बनाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में कई ऐसी चीजें मौजूद हैं जिन्हें इस्तेमाल कर आप अपने बालों को पोषण दे सकते हैं और उन्हें खराब होने से बचा भी सकते हैं.

महंगे उत्पादों को इस्तेमाल करने से अच्छा विकल्प है रसोई में मौजूद सामग्री की मदद से ऐसे पेस्ट या घरेलू नुस्खे तैयार करना जिनसे आपके बाल मजबूत हो सकें. सुबह उठकर चाय पीने की आदत हम में से ज्यादातर लोगों की होती ही हैं.

ऐसे में जो चाय पत्ती बाद में बच जाए उससे आप अपने बालों के लिए पानी तैयार कर सकते हैं. बची हुई चाय पत्ती को पानी में डालकर उबाल लें. इसके बाद इसे ठंडा करके बालों में लगाएं. बाल मजबूत होंगे.

कई बार गर्मियों में दही खट्टी हो जाती है. ऐसे में इसे फेंके न बल्कि इसमें हल्दी मिक्स करके बालों पर लगाएं. आप इसे स्कैल्प पर भी लगा सकते हैं. इससे स्कैल्प ड्राई नहीं होती और इंफेक्शन भी खत्म होता है. इसके अलावा अगर आप अपने बालों में चमक चाहते हैं तो ऐसे में अंडे की सफेदी में नींबू मिक्स करें और उसे बालों पर लगाएं. ये मिक्सचर बालों पर एक तरह से नैचुरल कंडिशनर और शाइनर का काम करेगा.

इसके अलावा बालों को मजबूत करने के लिए आपको अपनी डाइट में भी बदलाव लाना होगा. हेल्दी बालों के ले डाइट में छाछ, दही, नींबू और पानी जैसी चीजें ज्यादा से ज्यादा शामिल करें. इससे आपकी बॉडी डिटॉक्स होती रहेगी और बाल हेल्दी होंगे.

स्किन की टेंशन छोड़ बेफिक्र होकर करें स्विमिंग

गर्मियों में वाटर पार्क में मस्ती और पूल में स्विमिंग करना किसे पसंद नहीं, लेकिन स्किन की प्रॉब्लम को देखते हुए कई लोग इससे कतराते हैं। मगर इन टिप्स को अपनाकर आप बेफिक्र होकर स्विमिंग कर सकते हैं...

हल्दी और टमाटर का पेस्ट

स्विमिंग पूल में सफाई और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए क्लोरीन डाली जाती है, जिससे स्किन पर टैनिंग होने लगती है। इससे बचने के लिए आप नहाने से पहले हल्दी और टमाटर के पेस्ट में एक चम्मच बादाम का तेज मिलाकर चेहरे पर लगाएं। टैनिंग दूर होगी।

केसर मलाई करें ट्राइ

रात में थोड़ी सी मलाई में केसर डालकर छोड़ दें। सुबह दोनों को अच्छे से मिक्स करके नहाने से पहले चेहरे पर मसाज करते हुए लगाएं। इससे क्लोरीन के कारण आया त्वचा का रूखापन दूर होकर चमक आएगी।

नींबू और शहद का कमाल

वाद को बढ़ाने के साथ-साथ नींबू को एक बेहतर औषधि के रूप में भी देखा जाता है। आधे नींबू के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे आपकी टैनिंग दूर हो जाएगी।

आलू भी दूर कर सकता है टैनिंग

आलू को एक प्राकृतिक फेशियल माना जाता है। कच्चे आलू को पीसकर उसका पेस्ट बना लें फिर टैनिंग से प्रभावित हिस्सों पर इसे लगाएं। इस प्रयोग को आप रोजाना भी कर सकते हैं।

बेसन, हल्दी और गुलाब जल का अनोखा संगम

गुलाब जल को प्रकृति के उपहार के रूप में देखा जाता है और त्वचा के लिए इसे वरदान माना जाता है। बेसन और हल्दी के साथ थोड़ा सा गुलाब जल डालकर फेसपैक की तरह चेहरे पर लगाएं। त्वचा की चमक रोजाना बढ़ेगी। रात को सोने से पहले भी चेहरे को गुलाब जल से साफ करके सोएं।

सनस्क्रीन लगाना न भूलें

गर्मियों में घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना न भूलें। ये आपको सूर्य की पराबैंगनी किरणों से होने वाले नुकसान से बचाती है।

8 गिलास पानी का चमत्कार

गर्मी में सबसे ज्यादा जरूरी है रोजाना खूब सारा पानी पीना। आप रोजाना कम से कम 8 गिलास पानी अवश्य पिएं। इससे शरीर के सारे टॉक्सिक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं।

शरीर के लिए बेहद खास है फलों का राजा आम

गर्मी आते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक को सबसे ज्यादा इंतजार फलों के राजा आम का रहता है। आम जहां स्वाद में लाजवाब होता है, वहीं इसमें मौजूद तत्व शरीर के लिए भी फायदेमंद हैं। अगर आप रोजाना एक आम का सेवन करें तो इससे शरीर को कई तरह से लाभ हो सकता है...

पाचन दुरुस्त रखे

आम में मौजूद फाइबर पेट के लिए अमृत से कम नहीं है। यह पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह फल कब्ज और पेट के अल्सर से राहत दिलाने में भी मदद करता है। आम में भोजन को एनर्जी में बदलने की ताकत है।

वजन कम करने में मददगार

चूंकि आम फैट फ्री, कलेस्ट्रॉल फ्री और स्लॉट फ्री होता है इसलिए अगर आप रोजाना आम खाते हैं, तो आपका वजन नहीं बढ़ता। आम में मौजूद विटमिन सी और फाइबर के कारण आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है।

आंखों के लिए अच्छा

आम आंखों के लिए भी बेहद अच्छा माना जाता है। आम में उच्च मात्रा में मौजूद विटमिन ए आंखों की सेहत के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। हालांकि किसी भी बीमारी से ग्रस्त लोग इसके सेवन से पहले अपने डॉक्टर से सलाह ले लें।

कैंसर से लड़ने वाले गुण

रोजाना 1 आम खाकर आप अपने शरीर को कई तरह के कैंसर जैसे- प्रॉस्टेट कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और ल्यूकीमिया से बचा सकते हैं। आम में मौजूद ऐंटीऑक्सिडेंट गुण के कारण ऐसा संभव होता है।

पोषक तत्वों से भरपूर

अगर आप रोजाना 1 आम खाते हैं तो आप भरपूर मात्रा में विटमिन सी (प्रतिरक्षा बूस्टर), ए (आंखों), बी (हृदय रोगों की रोकथाम), फाइबर, पोटैशियम और मैग्नीशियम प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा आम से आरबीसी (लाल रक्त कोशिकाएं) भी तेजी से बनती हैं।

कुत्ता काटे या चाटे, दोनों है खतरनाक

अगर आप भी अपने पालतू कुत्ते को जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार करते हैं तो सावधान हो जाइए क्योंकि हो सकता है यह प्यार आप पर ही भारी पड़ जाए। हाल में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। लंदन में डॉ. जैको नेल को अपने कुत्ते से हुए इंफेक्शन की वजह से दोनों पैर गंवाने पड़े। यहां तक कि उनकी नाक का ऊपरी हिस्सा भी खत्म हो गया था।

कुत्ते की लार से सेप्टिसीमिया हुआ

करीब डेढ़ साल पहले डॉ. जैको नेल कॉकर स्पैनियल नस्ल के अपने कुत्ते हार्वी के साथ खेल रहे थे जब उन्होंने अपने हाथ पर हल्की सी खरोंच देखी। उन्होंने खरोंच को साफ किया और फिर रोज के कामों में लग गए। दो हफ्ते तक सब ठीक रहा लेकिन उसके बाद उन्हें फ्लू जैसा कुछ हुआ। दरअसल, उन्हें कुत्ते की लार की वजह से सेप्टिसीमिया (एक तरह का संक्रमण) हो गया था जिससे उनके खून में जहर फैल गया और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कम हो गई थी।

बेहद खराब हो गए थे हालात

इंस संक्रमण की वजह से डॉ नेल मरे तो नहीं लेकिन वे मौत के काफी करीब थे। नेल ने बताया, शाम को मेरी पार्टनर घर आई और हॉस्पिटल ले गईं। डॉक्टरों ने तुरंत इस इंफेक्शन को पकड़ लिया और इलाज शुरू किया। नेल 5 दिन के लिए कोमा में चले गए। नेल ने बताया, जब मुझे होश आया तो मैंने देखा कि मेरा शरीर लगभग काला पड़ चुका था। मेरे खून के थक्के अजीब तरीके से जम गए थे। नेल की किडनियां भी फेल हो गई थीं और उन्हें दो महीने तक डायलिसिस पर रखना पड़ा था।

डिप्रेशन में चले गए थे नेल

चार महीने तक हॉस्पिटल में रहने के बाद नेल के दोनों पैर घुटनों से नीचे तक काट दिए गए। उनकी नाक का ऊपरी हिस्सा भी खत्म हो गया। हॉस्पिटल के बाद भी उन्होंने खाने, चलने और सांस लेने में बहुत तकलीफ झेली। नेल ने बताया कि इस दौरान वे डिप्रेशन में चले गए थे। हालांकि 3 महीने बाद वे दोबारा चलने लगे।

यह है सेप्टिसीमिया

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक सेप्टिसीमिया एक ऐसा संक्रमण है जो तब होता है जब इंसान के शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र यानी इम्यून सिस्टम किसी इंफेक्शन के जवाब में कुछ ज्यादा ही सक्रिय हो जाता है। सेप्टिसीमिया होने पर शुरुआती समस्या हल्की लग सकती है जैसे उंगली में कहीं हल्की सी खरोंच या कट, लेकिन अगर सही वक्त पर इसकी वजह का पता नहीं चला तो शरीर को बहुत नुकसान हो सकता है। मसलन, टिश्यू को क्षति पहुंच सकती है, कोई अंग काम करना बंद कर सकता है और मौत भी हो सकती है।

बीमारी की पहचान है मुश्किल

सेप्टिसीमिया क्यों होता है, इसकी असल वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है लेकिन इसके खतरनाक असर को देखते हुए इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। सेप्टिसीमिया को पहचान पाना भी बहुत मुश्किल है क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण किसी आम संक्रमण और बुखार जैसे होते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

सौर सुजला योजना अंतर्गत जिला में अब तक 9141 हितग्राहियों को किया गया है लाभान्वित

जशपुरनगर। सौर सुजला योजना अंतर्गत जिले में अब तक 9141 हितग्राहियों के यहां कुल 9141 नग सिंचाई हेतु सोलर पंप की स्थापना की जा चुकी है। यह योजना उन सभी कृषकों के लिए है, कि जो जल स्त्रोत होने पर भी खेतों में सिंचाई के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं कर पाते हैं, उनके लिए यह योजना कारगर सिद्ध हो रहा है। इस योजना से गरीब किसान पानी की उपलब्धता आसानी से प्राप्त कर अपनी फसलों को सिंचाई कर अधिक पैदावार होने से अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार कर एक बेहतर जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जैसे हितग्राही श्री जॉर्ज मिंज पिता- तरसियूस मिंज, क्षमता 03 एच.पी. सबमर्सिबल, ग्रामदृघुईटांगर, विकासखण्ड कुनकुरी द्वारा टमाटर, प्याज, आलू एवं अन्य मौसमी सब्जी पैदावार किया जा रहा है। जिसमें लगभग 40 हजार रूपए प्रति वर्ष की आमदनी कृषक द्वारा होना बताया गया। इसके अतिरिक्त 9141 हितग्राहियों द्वारा 3656.4 हेक्टेयर में सिंचाई कार्य किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में 2000 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरूद्व 600 पंप स्थापित किया जा चुका है।

नई तस्वीर : नल जल योजना से बदल रही गावों की तस्वीर

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिला आदिवासी बाहुल्य वाला क्षेत्र है जहां भौगोलिक बनावट अलग-अलग तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। नल जल योजनान्तर्गत सबको पानी की समान उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए बस्तियों के हर घर तक नल का कनेक्शन पहुंचा जा रहा है जिसके तहत सबको साफ पानी की सुविधा उपलब्ध हो रही है. सभी लोगों को पाइप के जरिए साफ पीने का पानी मुहैया कराई जा रही है। योजना के गांवों में शीघ्रता से क्रियान्वयन होने से ग्रामवासियों को शुद्ध पेयजल का लाभ मिल रहा है। लोग अब वो दिन भूल गये हैं जब बूंद-बूंद पानी के लिए उनको कई मील दूर जाना पड़ता था। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला दन्तेवाड़ा के चारों विकासखण्डों के पूर्व में पूर्ण व प्रगतिरत 53 ग्रामों की नल जल योजनाओं को रेट्रोफिटिंग योजनाएं के माध्यम से व शेष 172 ग्रामों की एकल ग्राम योजनाएं बनाई जा रही है। जल जीवन मिशन अन्तर्गत मुख्यत: पाईप लाईन विस्तार उच्च स्तरीय जलागार निर्माण कार्य, सोलर आधारित उच्च स्तरीय टंकी एवं घरेलू नल कनेक्शन देने का कार्य किया जाना है। जिससे जिले के कुल 225 ग्राम के 219422 जनसंख्या से कुल 48216 घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से लाभान्वित होंगे। वर्तमान में क्रमश: विकास खण्ड दन्तेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण आते हैं।

पीएम मोदी ने सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया सम्मलेन 2022 का उद्घाटन किया और उद्घाटन सत्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपना संबोधन साझा किया। केंद्रीय मंत्री, सेमीकंडक्टर उद्योग के प्रतिनिधि, निवेशक, शिक्षाविद, राजनयिक कोर के सदस्य व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने सभी का स्वागत किया और इस बात पर खुशी व्यक्त की कि सम्मेलन का आयोजन भारत में हो रहा है। उन्होंने आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और कहा, वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं के प्रमुख भागीदारों में से एक के रूप में भारत को स्थापित करना हमारा सामूहिक उद्देश्य है। हम हाई-टेक, उच्च गुणवत्ता और उच्च विश्वसनीयता के सिद्धांत के आधार पर इस दिशा में काम करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में रेखांकित करने के लिए छह कारणों का वर्णन किया।

सबसे पहले, भारत 1.3 बिलियन से अधिक भारतीयों को जोड़ने के लिए एक डिजिटल अवसंरचना तैयार कर रहा है। भारत ने हाल ही में वित्तीय समावेशन, बैंकिंग और डिजिटल भुगतान आदि क्षेत्रों में जो प्रगति की है, उसके बारे में प्रधानमंत्री ने कहा, हम डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थ्य और कल्याण से लेकर समावेश और सशक्तिकरण तक, शासन के सभी क्षेत्रों में जीवन को बदलने के लिए कर रहे हैं।

दूसरा, प्रधानमंत्री ने कहा कि 5जी, आईओटी और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं में विकास के साथ छह लाख गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने जैसे कदमों के जरिये, भारत अगली प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। तीसरा, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ मजबूत आर्थिक विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। भारत की सेमीकंडक्टर की अपनी खपत 2026 तक 80 बिलियन डॉलर और 2030 तक 110 बिलियन डॉलर पार कर जाने की उम्मीद है।

चौथा, भारत ने व्यवसाय में सुगमता को और आसान बनाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। प्रधानमंत्री ने 25,000 से अधिक अनुपालन को खत्म करने, लाइसेंस के स्वत:-नवीनीकरण की ओर आगे बढ़ने, डिजिटलीकरण के माध्यम से नियामक ढांचे में पारदर्शिता और गति एवं दुनिया में सबसे अनुकूल कराधान संरचनाओं में से एक जैसे उपायों के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पांचवां कारण है - 21वीं सदी की जरूरतों के लिए युवा भारतीयों के कौशल विकास और प्रशिक्षण में भारी निवेश। उन्होंने कहा, हमारे पास सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए असाधारण प्रतिभाएं हैं, जो दुनिया के सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियरों के 20 प्रतिशत के बराबर हैं। शीर्ष 25 सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों में से लगभग सभी के हमारे देश में अपने डिजाइन या आर एंड डी केंद्र हैं।''

छठा, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने विनिर्माण क्षेत्र को बदलने की दिशा में कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब मानवता सदी में एक बार आने वाली महामारी का मुकाबला कर रही थी, भारत न केवल अपने लोगों के स्वास्थ्य में सुधार कर रहा था, बल्कि अपनी अर्थव्यवस्था की स्थिति को भी बेहतर बना रहा था।'' प्रधानमंत्री मोदी ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में चर्चा की, जो 14 प्रमुख क्षेत्रों में 26 बिलियन डॉलर से अधिक की प्रोत्साहन धनराशि की पेशकश करते हैं। अगले 5 वर्षों में, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में रिकॉर्ड वृद्धि होने की उम्मीद है। मोदी ने दर्शकों को हाल ही में घोषित सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के बारे में भी बताया, जिसकी कुल परिव्यय धनराशि 10 बिलियन डॉलर से अधिक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले विनिर्माण और डिजाइन इकोसिस्टम में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए पशुधन का विकास आवश्यक : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शाम नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्यसांई संजीवनी हॉस्पिटल आडिटोरियम में आयोजित विश्व पशु चिकित्सा दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। गौठान व गोधन न्याय योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशु चिकित्सकों की भूमिका पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ पशु चिकित्सक शल्यज्ञ संघ के तत्वाधान में किया गया था।

उन्होंने इस अवसर पर पशु चिकित्सा से संबंधित जानकारी पर आधारित वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में संसदीय सचिव सुश्री शकुंतला साहू, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत डॉ. रामसुंदर दास, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग डॉ. किरणमयी नायक, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा और विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पशुधन हमारे समाज के विशिष्ट अंग होने के साथ-साथ वे हमारी अर्थव्यवस्था के भी महत्वपूर्ण अंग हैं। हमारे समाज में आदिकाल से इनका महत्व रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार द्वारा राज्य में पशुधन के विकास और उनकी अच्छी देखभाल के लिए सुराजी गांव योजना और गोधन न्याय योजना लागू की गई है। योजना के अंतर्गत गांव-गांव में गौठानों का निर्माण पशुओं के चारे-पानी और उपचार की व्यवस्था की जा रही है। राज्य में अभी तक 10 हजार 500 से अधिक गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें से 8 हजार 500 गौठानों का निर्माण पूरा हो चुका है। इन सबके साथ-साथ राज्य में पशु चिकित्सा से जुड़ी अधोसंरचनाओं को भी लगातार मजबूत किया जा रहा है।

कार्य के लिए सम्मानित हुए पशु चिकित्सक

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर विश्व पशु चिकित्सा दिवस की बधाई देते हुए इनके कुशल क्रियान्वयन में पशु चिकित्सकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम में समस्त पशु चिकित्सकों को छत्तीसगढ़ को जल्द से जल्द दुग्ध व्यवसाय (डेयरी मिल्क) के क्षेत्र में भी अग्रणी पहचान दिलाने में अहम भागीदारी निभाने के लिए आव्हान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में इनके योगदान से पशुधन की रक्षा एवं उन्नत नस्ल के पशुधन के विकास को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य में पशुधन के विकास और इसके संरक्षण तथा संवर्धन के लिए वृह्द स्तर पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वह दिन दूर नहीं, जब छत्तीसगढ़ दुग्ध व्यवसाय के क्षेत्र में भी देश में अग्रणी राज्य होगा। इससे गांवों के साथ-साथ पशुपालक किसानों में समृद्धि आएगी और हमारी सम्पूर्ण ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

कार्यक्रम को राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत डॉ. रामसुन्दर दास, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद से डॉ. उमेशचन्द्र शर्मा तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा ने भी सम्बोधित किया। उनके द्वारा पशुधन विकास के लिए राज्य में संचालित गोधन न्याय योजना को महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय कदम बताया गया। इस अवसर पर पशु चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पशु चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम पशु चिकित्सा सेवा संघ की ओर से डॉ. संजीव सिरमौर, डॉ. अशोक कुमार पटेल, डॉ. एस.के. खरे, डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ. के.एल. राम, डॉ. एम. मेहरा सहित पशु चिकित्सा शल्यज्ञ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भूरारास में सड़क मार्ग का लोकार्पण

गढमिरी में वीर शहीद रोडापेदा की मूर्ति स्थापित की जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दन्तेवाड़ा। दंतेवाड़ा प्रभारी मंत्री एवं वाणिज्य कर आबकारी, उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने कुआकोंडा विकासखण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भूसारास में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत निर्मित सड़क दंतेवाड़ा से रेटम पारा जिसकी लंबाई 1.80 किलोमीटर, लागत राशि 105.95 लाख एवं एस. सी. ए. मद से पुलिया निर्माण कार्य, जिसकी लागत राशि 199.00 लाख है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़मिरी में कुआकोंडा आई. टी. आई. भवन से मुंडापारा (गढ़मिरी) जिसकी लंबाई 3 किलोमीटर एवं लागत राशि 182.87 लाख से निर्मित सड़क का लोकार्पण किया। इस मौके पर क्रांतिकारी शहीद वीर रोडा पेदा के बलिदान का स्मरण करते हुए मंत्री श्री लखमा ने कहा कि गढ़मिरी में रोडा पेदा की मूर्ति निर्मित की जाएगी। साथ ही गढ़मिरी में रोडा पेदा के नाम से तालाब, कॉलेज व आदिवासी भवन का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री श्री लखमा द्वारा आर्थिक सहायता राशि 10 हजार रुपये का चेक आदिवासी नर्तक दल को दिया गया।

श्री लखमा ने भूसारास के ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को सुविधाएं मिल रही हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए देवगुड़ी निर्माण हेतु 10-10 लाख रुपए प्रदान किया गया है। साथ ही पुजारी, पेरमा, गायता, सिरहा गुनिया को 7-7 हजार रुपए दिया जा रहा है।

पंच और सरपंचों के वेतन में वृद्धि की गई है। उन्होंने लिफ्ट एरीगेशन की सुविधा से अब ग्रामवासियों को रागी, कोदो, कुटकी के उत्पादन में बेहतर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि अब महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से अंडा का उत्पादन कर आंगनबाड़ी, सुपोषण केंद्रों, आश्रमों में दिया जा रहा है। साथ ही समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री श्री लखमा ने कहा कि मुरुमपारा भूसारास में नए सुपोषण केंद्र, एवं आश्रम बनाये जाएंगे। इस मौके पर उपस्थित स्थानीय विधायक श्रीमती देवती महेंद्र कर्मा ने गोंडी में उदबोधन करते हुए ग्राम वासियों को बधाई दी। छत्तीसगढ़ पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री छबिंद्र महेंद्र कर्मा ने जिले में किये गए विकास कार्यों के बारे में आम जनता को अवगत कराया।

आबकारी मंत्री श्री कवासी लखमा द्वारा जिले के सर्किट हाउस स्थल पर विकासखण्ड से आये 62 हितग्राहियों को जनसम्पर्क निधि से विभिन्न प्रयोजन हेतु जैसे स्वरोजगार, आर्थिक सहायता, इलाज हेतु प्रशासकीय स्वीकृत कुल 3 लाख 56 हजार रूपये राशि के चेक का वितरण किया गया।

कलेक्टर एवं एसपी ने राष्ट्रीय राजमार्ग 163 के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा एवं एसपी कमलोचन कश्यप ने भोपालपटनम से तारलागुड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों का जायजा लिया, राष्ट्रीय राजमार्ग 163 जो कि भोपालपटनम से तारलागुड़ा तक कुल 36 किलोमीटर की दूरी तक कार्य चल रहा है।

वर्तमान में पूरी लंबाई 36 किलोमीटर में डामर की पहली परत डीबीएम व डब्ल्यू एमएम का कार्य पूर्ण किया गया है। एवं मई के पहले सप्ताह से बीसी बिटुमिन्स कांक्रीट का कार्य प्रारंभ किया जाएगा जून तक कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है। कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने बताया बीजापुर जिले के लिए यह सड़क अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके पूर्ण होने से अन्तर्राज्यीय परिवहन सुगम होगा। हैदराबाद एवं वारंगल जाने में आसानी होगी, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। बीजापुर जिले के भोपालपटनम सहित जिले वासियों का तेलंगाना वारंगल में कई पीढ़ीयों से बेटी-रोटी का संबंध रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए यह सड़क मील का पत्थर साबित होगा।

जिले के अतिसंवेदनशील क्षेत्र होने के कारण सड़क निर्माण में कई बाधाएं उत्पन्न हुई। इस मार्ग में डब्ल्यूबीएम तक 2016-17 में पूर्ण हुआ इसी मार्ग में 2015 में नक्सलियों द्वारा 36 वाहनों को आगजनी में क्षतिग्रस्त किया जा चुका है। वहीं 2017 में 19 वाहनों को जलाया गया 2017 एवं 2018 में आईआईडी ब्लास्ट भी किया गया जिसमें 1 जवान शहीद हुआ वहीं 3 जवान घायल हो चुके विषम परिस्थियों में जिला एवं पुलिस प्रशासन की सक्रियता से सड़क निर्माण अपने अंतिम रूप ले रहा है। इस सड़क के जिले वासियों की बरसो पुरानी उम्मीदें साकार होगी जिससे जिले के विकास में यह सड़क महत्वपूर्ण योगदान देगा।

आदर्श गौठान हर्री को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में किया जा रहा विकसित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर । बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी विकासखंड के ग्राम हर्री में आदर्श गौठान का निर्माण किया गया है। आदर्श गौठान को समस्त योजनाओं के ग्राम में प्रवेश हेतु इन्ट्री पाइण्ट के रूप में तैयार किया गया है। इस योजना के अंतर्गत आदर्श गौठान में गौवंश की डे-केयर के साथ रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणजनों को आजीविका संबंधी गतिविधियों हेतु अध्ययन कराकर आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जा सके।

आदर्श गौठान हर्री में कुल 4 एकड़ भूमि है जिसमें से 3 एकड़ में गौठान और शेष 1 एकड़ में सामुदायिक बाड़ी और चारागाह तैयार किया जा रहा है। गौठान की अधोसंरचना में 10 वर्मी टैंक का निर्माण किया गया है जिसका उपयोग गोबर क्रय कर खाद बनाने हेतु संग्रहण करने में किया जाता है। पानी व्यवस्था एवं सिंचाई हेतु सोलर पैनल के साथ बोर खनन किया गया है। समूह सदस्यों की बैठक एवं अन्य कार्य हेतु 01 समूह शेड का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें चरवाहा के रात में ठहरने के लिए एक कमरे की व्यवस्था भी की जा रही है। रूरल इंडस्ट्रियल पार्क स्थापना के उद्देश्य से पोल्ट्री शेड का निर्माण किया गया है जिसमें 250 लेयर बर्ड को उत्पादन के लिए पाला जा रहा है तथा एलइडी बल्ब का निर्माण किया जा रहा है। इंडस्ट्रियल पार्क में अंतर्गत मिर्ची सॉस, मिर्ची चटनी, वाशिंग पाउडर का उत्पादन कार्य प्रगतिरत है। सामुदायिक बाड़ी के अंतर्गत आदर्श गौठान हर्री में समूह द्वारा बाड़ी में सब्जीवर्गीय फसलों की खेती जैविक तरीके से की जा रही है। खरीफ सीजन में 4 हजार की लागत बरबट्टी, भिंडी एवं आलू सब्जी लगाई गई थी, जिसमें 22 हजार रूपये समूह को प्राप्त हुआ। वर्तमान में मिर्ची की खेती करने के लिए बाड़ी की जुताई एवं मिर्ची का थरहा का तैयार किया गया है।

गौठान में डीएमएफ और समूह के संयुक्त अंश राशि द्वारा एल.ई.डी. बल्ब निर्माण इकाई की स्थापना की गई है, जिसमे अभी तक 200 बल्ब का विक्रय किया गया है, जिसकी बाजार मूल्य 86 हजार रूपये है। हर्री गौठान में इस वर्ष 53 हजार 516 किलोग्राम गोबर खरीदी की गई है, जिससे लगभग 21 हजार 400 किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट खाद उत्पादन होने की संभावना है, जिसका विक्रय मूल्य 2 लाख 14 हजार रूपये है। गौठान में डीएमएफ और समूह के संयुक्त अंश राशि द्वारा लेयर बर्ड पालन किया जा रहा है जिसमें अभी तक 34 सौ अण्डे समूह द्वारा विक्रय किया जा चुका है, जिसका बाजार मूल्य 20 हजार 400 है।

गर्लफ्रेंड ने शादी तुड़वाई तो मारकर दफना दिया:

दोस्त के साथ मिलकर घोंट दिया युवती का गला; 15 दिन पहले ही खोद ली थी कब्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड का गला घोंटकर मार डाला। युवती की गलती सिर्फइतनी थी कि वह अपने ब्वॉयफ्रेंड को किसी और के साथ शादी करते नहीं देख सकती थी। इसके लिए उसने लड़की के घर वालों को अपने और युवक के रिश्ते की जानकारी दी थी। जिसके चलते युवक की शादी टूट गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नगरदा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बुढ़नपुर निवासी सहोद्रा का उसी के गांव के युवक अजय सिंह कंवर के साथ करीब तीन साल से प्रेम संबंध चल रहा था। सामाजिक कारणों से दोनों की शादी नहीं हो पा रही थी। इस बीच अजय की शादी किसी और लड़की से तय हो गई। यह बात सहोद्रा को पता चली तो उसे नागवार गुजरा। उसने लड़की वालों को कॉल किया और अपने व अजय के रिश्ते की जानकारी

उनको दे दी। इसके चलते अजय की शादी टूट गई।

शादी टूटने से नाराज अजय ने बदला लेने के लिए दोस्त नारायण मैत्री के साथ मिलकर सहोद्रा की हत्या की साजिश रची। अजय ने सहोद्रा को करीब 15 दिन पहले मिलने के लिए बुलाया और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को गांव के बाहर कलमीभाठा? जाम खार जंगल के पास कब्र खोदकर दफ्ना दिया। अजय ने हत्या से करीब 15 दिन पहले ही कब्र भी खोद दी थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी अजय सिंह ने बताया कि उसने सहोद्रा को फोन कर मिलने के लिए बुलाया।

वहां युवती पहुंची तो दोनों के? बीच शादी तोड़ने की बात को लेकर? विवाद हुआ। इसी दौरान अजय ने उसका हाथ पकड़ लिया और नारायण मैत्री ने सहोद्रा का गला दबा दिया। इसके बाद दोनों ने पहले से खोदे गए गड्?ढे में शव को डालकर ऊपर से पाट दिया। फिर दोनों आरोपी घर लौट गए। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर शव बरामद कर लिया है।

सहोद्रा के गायब होने पर उसके भाई संतोष कुमार कंवर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि उसकी बहन सहोद्रा 13 अप्रैल की रात करीब 8-9 बजे के बीच घर से निकली थी। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं है। नगरदा थाना प्रभारी सीपी कंवर ने? बताया कि गांव वालों से पूछताछ के दौरान दोनों के प्रेम संबंधों का पता चला था।

पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल ली है। शव को जब बाहर? निकाला तो उसकी शिनाख्ती युवती? के पिता से कराई गई। युवती के हाथ में गोदना से? लिखे अंग्रेजी के शब्द S से पहचान की।

55 साल के शख्स ने युवती से किया रेप

बहाने से ले गया नाले की तरफ फिर किया दुष्कर्म, हुआ गिरफ्तार

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में एक 23 साल की युवती से रेप का मामला सामने आया है। उससे रेप उसके ही पहचान के एक 55 साल के शख्स ने किया है। बताया जा रहा है कि वह किसी बहाने से युवती को गांव में ही नाले की तरफ ले गया था। यहां ले जाकर उसने युवती से रेप किया है। मामला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला धुमका थाना क्षेत्र का है।

इस केस में पीड़िता ने शुक्रवार को पुलिस से शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि बुधवार शाम को बरबसपुर निवासी सीताराम वर्मा (55) युवती के घर गया था। यहां उसने युवती से कोई बहाना किया था। इसके बाद युवती को गांव के ही एक नाले के पास ले गया था। यहीं उसने युवती से रेप किया है।

बताया जा रहा है कि इस बात की जानकारी तब सामने आई। जब कुछ लोग नाले के पास पहुंचे थे। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया था। बाद में युवती ने पूरे मामले का जानकारी ग्रामीणों को दी और परिजनों को दी थी। जिसके बाद पुलिस से पूरे मामले की शिकायत की गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया है कि युवती घर पर ही रहती थी। जबकि आरोपी खेती किसानी का काम करता था। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग बालोद

क्र.1800/एन.आई.टी क्रं.-03/2022-23/व.ले.लि./बालोद, दिनांक 27.04.2022

निविदा प्रपत्र क्रं. करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि :- 09/05/2022
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की तिथि :- 19/05/2022
निविदा खोलने की तिथि :- 20/05/2022

क्रं.	विधानसभाग क्षेत्र का नाम	ग्राम/भवन कार्य का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)
1	2	3	6
1	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शास.पूर्व माध्यमिक शाला टेंगनाबरपारा पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.05
2	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शास.पूर्व माध्यमिक शाला धोबनपुरी पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	5.42
3	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में आंगनबाड़ी केन्द्र क्रं.02 फागुन्दाह पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
4	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय प्राथमिक शाला कंवर पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
5	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में आंगनबाड़ी केंद्र क्रं.02 सांगली पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	5.42
6	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय हाई स्कूल भिरई पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
7	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय प्राथमिक शाला सनौद पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.05
8	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय हाई स्कूल खुदनी पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	4.37
9	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय हाई स्कूल कोचवाही पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
10	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय हाई स्कूल छेडिया पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	5.94
11	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय प्राथमिक शाला अकलवारा पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	5.42
12	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय प्राथमिक शाला खोरदो पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	5.42
13	संजारी बालोद	वि.ख.-गुरूर में शासकीय प्राथमिक शाला चंदनबिरही पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	5.42
14	संजारी बालोद	वि.ख.-बालोद में शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बघमरा पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	16.10
15	संजारी बालोद	वि.ख.-बालोद में शासकीय उ.मा.वि. सांकरा पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
16	संजारी बालोद	वि.ख.-बालोद में शासकीय हाई स्कूल घुमका पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.05
17	संजारी बालोद	वि.ख.-बालोद में शासकीय हाई स्कूल भेंडियानवागांव पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
18	संजारी बालोद	वि.ख.-बालोद में शासकीय उ.मा.वि. लाटाबोड़ पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	4.26
19	संजारी बालोद	वि.ख.-बालोद में शासकीय प्राथमिक शाला दरबारी नवागांव पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.67
20	डौण्डीलोहारा	शासकीय एन.सी.सी. कॉलेज भवन बालक छात्रावास दल्लीराजहरा में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	9.00
21	डौण्डीलोहारा	शासकीय पशु चिकित्सालय केंद्र भैसबोड़ में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	3.00
22	डौण्डीलोहारा	शासकीय उ.मा.वि. खल्लारी में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	6.00
23	डौण्डीलोहारा	शासकीय हाई स्कूल संजारी में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	9.00
24	डौण्डीलोहारा	शासकीय थाना मंगचुवा में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	6.00
25	डौण्डीलोहारा	शासकीय हाई स्कूल भवन रानाखुज्जी में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	9.00
26	डौण्डीलोहारा	शासकीय हाई स्कूल भवन पथराटोला में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	18.00
27	डौण्डीलोहारा	शासकीय हाई स्कूल भवन खैरवाही में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	18.00
28	डौण्डीलोहारा	शासकीय हाई स्कूल भवन बिटाल में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	18.00
29	डौण्डीलोहारा	शासकीय हाई स्कूल भवन भैसबोड़ में पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	18.00
30	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर सोसायटी से बंगलाखार में नाली निर्माण कार्य	18.86
31	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के वार्ड नं. 08 एवं 09 में सी.सी. रोड का निर्माण कार्य (भाग-1)	13.55
32	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के वार्ड नं. 08 एवं 09 में सी.सी. रोड का निर्माण कार्य (भाग-2)	13.55
33	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के दिना घर से मिडिल स्कूल तक में सी.सी मार्ग का निर्माण कार्य	17.52
34	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के मुक्तीधाम से पुरानी बस्ती तक सी.सी. मार्ग का निर्माण निर्माण कार्य (भाग-अ)	17.89
35	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के मुक्तीधाम से पुरानी बस्ती तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य (भाग-ब)	18.03
36	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के मुक्तीधाम से पुरानी बस्ती तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य (भाग-स)	17.74
37	संजारी बालोद	ग्राम बासीन वि.ख.-गुरूर के नयापारा में सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य	12.83
38	संजारी बालोद	ग्राम कोचेरा वि.ख.-गुरूर के दुर्गा मंदिर से आवासपारा तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य	15.36
39	संजारी बालोद	ग्राम कोचेरा वि.ख.-गुरूर के दुर्गा मंदिर से आंगनबाड़ी तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य	15.36
40	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम तवेरा (मुंदेरा) मुख्य मार्ग से उ.मा.शा. भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	15.82
41	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम बेलटिकरी नहर पुल से शाला भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	11.81
42	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम चंदनबिरही मुख्य मार्ग से हल्थ एवं वेलनेस सेंटर तक पहुंच मार्ग निर्माण	4.14
43	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम मुन्देरा मुख्य मार्ग से मा.शाला एवं आंगनबाड़ी केन्द्र क्रं. 01 तक पहुंच मार्ग	8.01
44	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम परसतराई मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रं. 02 तक पहुंच मार्ग निर्माण	8.01
45	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम माड़ियापार गांव से प्राथमिक शाला तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.01
46	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम लिमोरा मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	11.74
47	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम खुटेरी (ख) मुख्य मार्ग से पंचायत तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.01
48	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम सरेखा गांव से पंचायत तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	15.54
49	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम परसदा (डंग) गांव से हाई स्कूल तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	15.54
50	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम डुण्डेरा मुख्य मार्ग से उ.मा.शाला तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	19.11
51	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम डंगनिया मुख्य मार्ग से शाला भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	15.54
52	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के नं.प. गुण्डरदेही मुख्य मार्ग से उ.मा.शाला भवन गुण्डरदेही तक पहुंच मार्ग निर्माण	15.54
53	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम पंचायत अर्जुनी टिकरी मुख्य मार्ग से विद्युत सब स्टेशन एवं कार्यालय अर्जुन्दा तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	7.94
54	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के नं.पं. अर्जुन्दा मुख्य मार्ग से शासकीय उद्यान रोपणी कार्यालय तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	15.54
55	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम परसवानी मुख्य मार्ग से प्राथमिक शाला तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.01
56	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम चीरचार मुख्य मार्ग से पूर्व माध्यमिक शाला एवं पंचायत भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	7.94
57	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के ग्राम सुरेगांव मुख्य मार्ग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरेगांव तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	8.01
58	गुण्डरदेही	वि.ख.-गुण्डरदेही के शासकीय महाविद्यालय गुण्डरदेही तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	10.78
59	संजारी बालोद	वि.ख.बालोद के भाटापारा शा.पूर्व.मा.शाला तरौद पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	16.09
60	संजारी बालोद	वि.ख. गुरूर के शा.प्रा.शाला तितुरगहन पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	18.55
61	संजारी बालोद	वि.ख. गुरूर के शा. उचित मूल्य दुकान बोरतरा पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	16.10
62	संजारी बालोद	वि.ख. गुरूर के शा.प्रा.शाला कुम्हारखान पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	16.10
63	संजारी बालोद	वि.ख. गुरूर के शा. नवीन महाविद्यालय गुरूर पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	16.10

नियम व शर्तें:-
(1) "ई" वर्ग पंजीयन की प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (2) पेन कार्ड की छायाप्रति। (3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (4) जिस ब्लॉक का कार्य है, उसी ब्लॉक के "ई" वर्ग श्रेणी के ठेकेदारों को प्राथमिकता दी जावेगी। (5) कार्य की अवधि "02 माह"

जी-90672/5

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि.(भ/स) संभाग बालोद

खास-खबर

कंट्रोल सेंटर में कॉल कर गाली-गलौज करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर। कंट्रोल सेंटर में कॉल कर गाली-गलौज करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सेन्ट्रलाईज्ड कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर डायल 112 सिविल लाईन रायपुर में कॉल करके अश्लील शब्दों का प्रयोग कर कॉल टेकरों को परेशान करने के साथ-साथ आपातकालीन सेवा में व्यवधान उत्पन्न करने वाले पुसउराम साहू पिता कोमल साहू साकिन ग्राम सिवनी,भक्तूराम यादव पिता स्व इंदरमन यादव निवासी सांकरा तिल्दा नेवरा तथा चंद्रशेखर प्रसाद साहू पिता नारद साहू निवासी ग्राम जुलूम थाना मुजगहन को गिरफ्तार किया गया है तथा उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है।

चिटफंड कंपनी के तीन फरार डायरेक्टर गिरफ्तार

रायपुर। निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले चिटफंड गुरुकृपा इंफ्रास्ट्रक्चर चिटफंड कंपनी के फरार तीन डायरेक्टर को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस ने गुरुकृपा इंफ्रास्ट्रक्चर चिटफंड कंपनी के फरार तीन डायरेक्टर दिलीप कुमार देवांगन,अविनाश कुमार चंद्रवंशी और वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने रकम दोगुना करने का झांसा देकर कई लोगों से लाखों रूपए की ठगी की थी। तीनों आरोपी ठगी के मामले में जशपुर जेल में बंद थे, जहां से पुलिस प्रोडक्शन वारंट के तहत रायपुर लेकर आई है।

खड़ी ट्रेलर से टकराई ट्रक,खलासी की मौत, चालक गंभीर

रायगढ़। रायगढ़ बिलासपुर नेशनल हाईवे में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे खड़ी ट्रेलर से एक तेज रफ्तार ट्रक टकराई गई। इस हादसे में ट्रक के खलासी की मौके पर ही मौत हो गई वहीं ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह बरगढ़ पूल के पास सडक़ किनारे खड़ी ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 आर 0556 से सामने की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक जेएच 12 जे 9972 टकराई गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

भरी भीड़ में युवक की हत्या: बारात में नाचने-गाने को लेकर विवाद, 3 लोगों ने बैट और डंडे से पीटकर मार डाला; 2 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में भरी भीड़ में एक युवक की हत्या कर दी गई है। यह भीड़ बारातियों को थी। इसी बारात में नाचने गाने के विवाद को लेकर उसकी हत्या की गई है। 3 लोगों ने लाठी, डंडे और क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर युवक को मार दिया। इस मामले में पुलिस ने अब 2 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। मामला सरायपाली थाना क्षेत्र के छिबर्रा गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, लमकेनी निवासी आशीष साहू की बारात गुरुवार रात को छिबर्रा गांव पहुंची थी। इसी बारात में बारातियों की तरफ से

राजकुमार सिदार(30) भी आया था। बारात में सभी नाचने गाने में व्यस्त थे। इसी दौरान राजकुमार का नाचने गाने को लेकर ही 3 लोगों से विवाद हो गया।

बताया गया कि विवाद इतना बढ़ कि बात गाली-गलौज तक पहुंच गई। इसके बाद 3 लोगों ने मिलकर राजकुमार को लाठी डंडे और क्रिकेट बैट से पीट दिया। इससे राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी। कुछ लोगों ने बीच बचाव का भी प्रयास किया था। मगर आरोपी नहीं माने, बीच बचाव करने आए कुछ लोग भी घायल हुए हैं।

घटना के बाद तीनों आरोपी भाग गए थे। वहीं आस-पास के लोग राजकुमार को अस्पताल लेकर गए थे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायलों को भी अस्पताल ले जाया गया था। इसकी जानकारी पुलिस को भी दी गई थी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आस-पास के लोगों से पूछताछ की गई। बाद में आरोपियों की पहचान कर 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अभी एक आरोपी फरार है। डॉक्टरों का कहना है कि राजकुमार के शरीर से काफी खून बह गया था। जिसके चलते उसकी जान गई है।

नीरा गोल्डन हाउस में उठाई गिरी के अंतरराज्यीय उठाईगीर ईरानी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली थाने को शीघ्र पकड़ने के दिये थे निर्देश

मुबंई,कर्नाटक के रहने वाले थे दोनों आरोपी

धमतरी। प्रार्थी तारा बंगाली पिता स्व 0 कन्हैया लाल उड़ा 50 वर्ष निवासी कोष्टापारा धमतरी का अपने नीरा गोल्डन हाउस दुकान में दिनांक 30.01.2022 को सोने का जेवर बनाने का कार्य कर रहा था उसी समय एक 40-45 साल का व्यक्ति जो सिर में टोपी लगाया हुआ था पेन्ट शर्ट पहना हुआ था जो करीब 2.30 बजे दिन काउन्टर के पास खड़ा होकर प्रार्थी से मन्दिर में चढाने के लिए सोना का टुकडा मांगा तो प्रार्थी ने दराज से निकाल कर तौलकर 800/- रू में सोना का टुकडा दिया और 1 ग्राम सोने का रिंग बनाने का आर्डर दिया और बोला कि 10 मिनट में आकर ले जाउगा कहकर 2000/- रू दिया, तो प्रार्थी ने 10 मिनट में नहीं बनेगा कम से कम आधा घण्टा लगेगा कहने पर ठीक है कहा और दुकान से चला गया उसके जाने के बाद दराज को देखा तो दराज के अन्दर एक प्लास्टिक डिब्बे के अंदर रखा 22 नग सोने की पत्ती 25 ग्राम , एक सोने का मंगलसुन वजनी 36 ग्राम एक सोने का गला हुआ डल्ला बजनी 11 ग्राम नहीं था शंका होने पर तत्काल अपनी मोटर सायकल लेकर उस आदमी का पीछा किया लेकिन नहीं मिला । उस अज्ञात व्यक्ति ने दुकान के दराज में रखे उपरोक्त सोने का जेवर कुल वजनी 72 ग्राम कीमती करीब 2,20,000 रू को चोरी कर ले गया प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध पंजीबंध कर विवेचना में लिया।

अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

पुलिस अधीक्षक धमतरी

प्रशात ठाकुर द्वारा चोरियों पर अंकुश लगाने एवं अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर आरोपियों को पकड़ने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पॉल एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री जी.सी.पति द्वारा टीम बनाकर आरोपियों की पतासाजी हेतु रवाना किये गए थे।

आरोपी पतासाजी के दौरान घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज का बारिकी से निरीक्षण किया गया । फूटेज से प्राप्त हुलिया के आधार पर अज्ञात आरोपियों की पतासाजी के लिए कोतवाली टीम द्वारा धमतरी सहित आस पास के सीसीटीवी फुटेज बारिकी से निरीक्षण किया गया। उक्त फुटेज में दिखाई देने वाले व्यक्ति शारीरिक बनावट एवं हुलिया से इरानी गैंग के सदस्य होने की पूर्ण आशंका पर प्राप्त सीसीटीवी फुटेज को नेशनल पोलिस व्हाटसअप ग्रुप में शेयर करने पर दुकान से चोरी किया हुआ व्यक्ति गुलाम इरानी घाटकोपर मुबंई का होने पता चलने पर पुलिस टीम गठित कर पता तलाश हेतु घाटकोपर मुंबई रवाना किया गया था जो आरोपी गुलाम इरानी अपने सहयोगियों सहित वहां से अन्यत्र फरार हो गया था । जिसकी लगातार पता तलाश की जा रही थी। प्रकरण में उक्त गिरफ्तार आरोपियों से उठाई गिरी सम्पत्ति जप्त नहीं नही की गई है। उक्त घटना में एक अन्य आरोपी भी शामिल है जिसकी पतासाजी कि जा रही है। पूछताछ पर तीनों आरोपियों द्वारा पैसे आपस में बॉटकर खर्च करना,स्वीकार किये जिस हेतु पृथक से कार्यवाही कि जा रही है। गिरफ्तार आरोपी:-(01) शेख गुलाम अब्बास पिता शौकल अली उम्र 49 वर्ष निवासी रूम नं . 05 मुल्ला अब्दुल खालीद चाल पंखेसर बाबा दरगाह घाटकोपर वेस्ट मुंबई (महाराष्ट्र) (02) अयुव हुसैन पिता पपली हुसैन उम्र 32 वर्ष सा0 बीदर चिदरी रोड हुसैनी कालोनी थाना गांधीगंज जिला विदर कर्नाटक दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा रहा है । उक्त कार्यवाही में निरीक्षक श्री भूनेश्वर नाग,उप निरी. रमेश साहू, प्रआर. दिनेश तुरकाने,आर.नितेश राज वर्मा, बृजेश वैष्णव, हेमंत सूर्यवंशी की सराहनीय भूमिका रही ।

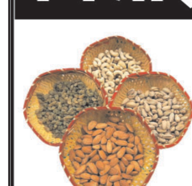

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available
(Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

श्रमिक दिवस के दिन बोरे बासी खाने नागरिकों से की कलेक्टर ने अपील

दुर्ग। गर्मी के मौके पर छत्तीसगढ़िया खानपान का अहम अंग बोरे और बासी है। अपनी खानपान की इस विशिष्टता के गौरव की अनुभूति के लिए श्रमिक दिवस के विशेष अवसर पर श्रम को सम्मान देने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों से बोरे बासी खाकर श्रम को सम्मान देने की अपील की है। कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने भी जिले के निवासियों से अपील की है कि श्रम दिवस के महत्वपूर्ण मौके पर अपनी खानपान की विशिष्टता के गौरव को मनाने के लिए बोरे बासी खाकर श्रम का सम्मान करें। डा. भुरे ने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और चावल के व्यंजन यहां की प्रमुख विशेषता हैं। गर्मी में प्रदेश के लोग बोरे और बासी खाते हैं ताकि शरीर में स्फूर्ति और ठंडक बनी रहे। कलेक्टर ने कहा कि अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को सहेजने से गहरी खुशी मिलती है। छत्तीसगढ़ में हर दृष्टिकोण से सांस्कृतिक वैविध्य रहा है। यहां की विशिष्ट संस्कृति और सुंदर खानपान की परंपराओं को सहेजना बड़ी जिम्मेदारी का काम है ताकि आने वाली पीढ़ी भी इस समृद्ध परंपरा से परिचित हो सके।

श्रमिक दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रमिक दिवस समारोह एवं भारत रत्न डॉ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जी के जयंती के अवसर पर 01 मई 2022 रविवार को पायोनियर मोनुमेंट, सिविक सेंटर में संध्या 7.30 बजे से लोक नृत्य व लोक शैली पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जा रहा है। भिलाई इस्पात सयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक गायन, वादन, नृत्य व पारंपरिक लोक कला पर केंद्रित प्रस्तुति दी जायेगी। कार्यक्रम को अंचल की प्रसिद्ध लोक संस्था रंगझरोखा प्रस्तुत कर रही है। 40 कलाकारों से सुसज्जित संस्था रंगझरोखा के इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के चर्चित कलाकार व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कलाकारों द्वारा इस विशेष अवसर पर राष्ट्रीय ख्यति प्राप्त कार्यक्रम का प्रदर्शन किया जायेगा।

जेनेरिक दवाईयों की मांग बढ़ने से ग्राहकों की बढ़ रही भीड़, मिल रहा बेहतर रिस्पॉंस

- पहुंच रहे ग्राहक दवाई की गुणवत्ता बताकर इस योजना की कर रहे तारीफ अब आधे से भी कम दाम मे खरीदकर कर रहे बचत, मुख्यमंत्री का जता रहे आभार
- ग्राहकों ने बताया-दवाईयां सस्ती होने के साथ असरकारी भी
- महापौर व आयुक्त ने जेनेरिक दवाईयों का सेवन करने की अपील, निगम क्षेत्र की धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स नें 50 लाख से अधिक जेनेरिक दवाईयां विक्रय कर बनाया रिकार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स योजना भिलाई नगर निगम क्षेत्र में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। अब लोगों को महंगी दवाईयों के बजाय जेनेरिक दवाईयों की ओर विश्वास बढ़ा है। महंगे दवाईयां लेना छोड़कर इन मेडिकल स्टोर्स में जेनेरिक दवाईयां लेने पहुंच रहे हैं।

दिन-प्रतिदिन अब धन्वंतरी मेडिकल दुकानों में ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। भिलाई निगम क्षेत्र में मदर्स मार्केट पावर हाउस, शास्त्री मार्केट नंदिनी रोड, भगवा चौक कैलाश नगर कुरूद, नेहरू चौक 18 नंबर रोड केम्प एक व सुपेला के शासकीय शास्त्री हॉस्पीटल में धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स संचालित हो रही हैं। स्टोर्स के संचालक ने बताया कि मरीजों को शहर की सभी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स पर कंपनियों की दवाईयों को 55 प्रतिशत रियायत पर सस्ते दरों में दी जा रही हैं। इन सभी स्टोर्स में सिपला, एलेम्बिक, रैनबैक्सी, केडिला, फाईजर जैसी कई ब्रांडेड प्रतिष्ठित कंपनियों की दवाई सस्ती दर पर लेने पहुंच रहे हैं। आम जनता इस योजना को अच्छा रिस्पांस दे रहे हैं। संचालक ने बताया कि सुपेला शास्त्री हॉस्पीटल स्थित मेडिकल स्टोर्स खुलने के दो महीने में 10 लाख, शास्त्री मार्केट स्टोर्स 6 महीने में 20 लाख, कैलाश नगर में 10 लाख, मदर्स मार्केट व कैलाश नगर में 5-5 लाख से अधिक विक्रय टर्न ओव्हर हो गया है। प्रतिदिन सैकड़ो लोग खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। यहां 171 प्रकार की जेनेरिक व 27 सर्जिकल उत्पाद के साथ ही संजीवनी के हर्बल, ऑयल, हनी, फेशवॉश क्रीम आदि उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन, शिशु आहार व सैनेटरी पेड खरीदने पहुंच रहे हैं। दवाई के होम किट 691 के बजाय 290 व ट्रेवल किट 311 की जगह 130 रूपए में ही उपलब्ध है। शास्त्री मार्केट में दवाई खरीदने पहुंचे ललित चंद्राकर ने बताया कि वे बीपी, शुगर के रोग से ग्रस्त हैं। पहले उन्हें ये दवाईयों को दो-तिगुना रेट पर लेना पड़ता था। अब वे इन्ही दवाईयों को कम रेट पर धन्वंतरी मेडिकल स्टोर से खरीद रहे हैं। नेहरू चौक केम्प एक मेडिकल स्टोर में पहुंचे तुलाराम ने बताया कि पहले दवा का पत्ता हाथ में आने पर हमेशा मन में शंका होती थी कि कितने पैसे खर्च करने होंगे। वह चिंता आज धन्वंतरी मेडिकल स्टोर ने दूर कर दी है।

उनके घर में उनके माता-पिता ब्लड प्रेशर, शुगर, मांसपेशियों मे दर्द के पेसेंट हैं। उनके लिए प्रतिमाह लगभग 3 हजार रूपए खर्च करना पड़ता था, परंतु आज इस योजना से उनके परिवार को बहुत ज्यादा लाभ मिल रहा है। आज यही दवाईयां उन्हें 14 से 18 सौ रूपए के बीच में प्राप्त हो रही हैं। मदर्स मार्केट स्थित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स में पहुंची महिला गंगा साहू ने बताया कि वह महिला रोग अधिक रक्तस्त्राव आदि से परेशान थी। ट्रेनेजेमिक्स एसिड टेबलेट 200 रू. में लेती थी अब वहीं 90 रूपए तक में मिल जा रही है। यहां की दवाईयों सस्ती होने के साथ असरकारी भी है। महापौर नीरज पाल शासन के मंशानुरूप निगम क्षेत्र में सस्ते दरों पर दवाई उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आयुक्त प्रकाश सर्वे उनके निर्देशों का पालन करवाने धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स को जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करा रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि जेनेरिक दवाईयों का उपयोग करें।

साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों सहित जोन अधिकारियों को निर्देश किया कि जेनरिक दवाओं को जनता के बीच विश्वसनीय बनाए और इस प्रचलित धारणा को दूर करें कि कम कीमत वाली दवाएं कम प्रभावी होती हैं। उल्लेखनीय है मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी शासकीय चिकित्सकों को जेनेरिक दवाईयां लिखने के लिए आदेश दिए है। इससे जेनेरिक दवाईयों की मांग बढ़ी है और लोग इसका उपयोग भी कर रहे हैं। अक्टूबर, 2021 में इस योजना की शुरूआत स्वास्थ्य सेवाओं को गरीब-से-गरीब व्यक्तियों की पहुंच में लाने सस्ते में गुणवत्तायुक्त दवाई उपलब्ध कराने के लिए की गई थी।

घर- घर पहुँचा रहे पंछियों के लिए सकोरा- जीव दया ग्रुप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गर्मी के दिनों में सूरज की तपन से मनुष्य ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों को भी राहत की जरूरत होती है। शहर जीवदया ग्रुप के द्वारा सूरज की तपन बढ़ते ही पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराने की सार्थक पहल की जा रही है। परोपकार के इस काम में अब कई लोग आगे बढ़ कर हाथ बंटाने लगे हैं।

पक्षियों के लिए थोड़ा दाना ,थोड़ा पानी देने के सकोरा बाटने का कार्य भी इस सहयोग का अन्य लोग भी अनुसरण करने लगे हैं। गर्मी के दिनों में दाना-पानी देने की इस छोटी सी पहल का अनेक पक्षियों को अच्छा खासा लाभ मिल जाता है।

प्रवेश पारख-99936 25235 योगेश कोचर-8319272720 नीरज लूनावत-98274 71753 अमित बाफ़ना-99937 88133 इन लोगों से संपर्क कर आप भी सकोरा अपने घर मँगवा सकते है।

गौठान का हो रहा कायाकल्प, अदरक, हल्दी, नेपियर घास की खेती के साथ, मछली पालन की हुई शुरूवात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्र में संचालित शासन के मंशा के अनुरूप महती व महत्वकांक्षी योजना पुलगांव स्थित गौठान का कायकल्प हो रहा है । कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूहों की देख-रेख में नगर निगम की अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों की सतत् निगरानी एवं मॉनिटरिंग से गौठान में नित नये नवाचार हो रहे है ।

गो-पालन के साथ-साथ मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, बदक पालन के अलावा नेपियर घास, अदरक हल्दी की खेती शुरूवात हो चुकी है । फलदार वृक्ष, आम, पपीते की पौधा रोपण कर गौठान क्षेत्र को

संरक्षित किया जा रहा है । गौठान संचालन कर रही कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह के द्वारा यह कार्य सुचारू रूप से संचालित की जा रही है । इस तरह यह गौठान महिला समूह की आजिविका का एक कारगर संसाधन बनने जा रहा है । गौठान द्वारा वर्तमान में धूप, बत्ती, दिये, गमले, गोनाईल (फिलायल), पंचदीप, दंत मंजन का निर्माण किया जा रहा है । जिससे समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ अर्जित हो रहा है । वर्तमान में कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह द्वारा गौठान में 260 गायों की देखभाल की जा रही है । सतत् निगरानी के अलावा इन गौवंशो को समय-समय पर चिकित्सा सुविधा मुहैय्या कराया जा रहा है, गौवंश को आवश्यकता अनुसार चारा, पानी दी जाती है व समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है । इन गौवंशो की देख-रेख के लिए दो पहटिया है जिनके द्वारा नियमित और निरंतर निगरानी रखी जाती है तथा बीमार पशुओं को तत्काल चिकित्सा मुहैय्या कराई जाती है, इसके अलावा एक व्यक्ति प्रबंधक के तौर पर गौठान का देख-रेख के लिए तैनात है जोकि पूरा समय यहां देते है । नगर निगम क्षेत्र के पुलगांव स्थित गौठान का संचालन कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है । इसके अलावा महापौर श्री धीरज बाकलीवाल व आयुक्त श्री हरेश मंडावी की दिशा-निर्देश में एक पांच सदस्यीय संचालन समिति गठित की गई है । कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह की महिलाएं द्वारा रोजगार मुलक पंचदीप, धूपबत्ती गमले के साथ, गोबर के कण्डे का भी निर्माण किया जाता है, इस कण्डे का उपयोग वर्तमान में शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के लिए किया जाता है ।

मुख्य महाप्रबंधक को उत्कृष्ता के लिए सेल कॉर्पोरेट पुरस्कार से सम्मानित किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीजीएम (सी एंड आईटी) पी के झा को डिजिटाइजेशन मास्टरमाइंड श्रेणी में उत्कृष्टता के लिए सेल कॉरपोरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार झा को उनकी नेतृत्व क्षमता, असाधारण प्रतिबद्धता और वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में केंद्रीकृत पे-रोल सिस्टम, सेल विक्रेता भुगतान क्वेरी प्रणाली और कई अन्य विभाग जैसे वित्त, सामग्री प्रबंधन, कार्मिक, माइन्स में आईटी प्रणालियों के कार्यान्वयन के माध्यम से उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया था। समारोह में पुरस्कार विजेताओं के जीवनसाथी को भी आमंत्रित किया गया था।

उल्लेखनीय है कि पी के झा के नेतृत्व में बीएसपी के सी एंड आईटी विभाग द्वारा संयंत्र में केंद्रीकृत पे-रोल सिस्टम के कार्यान्वयन के बाद, सेल के पूरे कार्यबल के लिए वेतन प्रसंस्करण किया जाता है। देषभर में सेल के सभी 25 इकाइयों व कार्यालयों के सभी कर्मचारी और अधिकारी अपने स्वयं के पासवर्ड के साथ कम्प्यूटर या मोबाइल पर वेब पोर्टल के माध्यम से अपने वेतन और संबंधित उपयोगी जानकारी देख सकते हैं। सेल के सभी कर्मचारियों का वेज रिवीजन, सीपीआरएस द्वारा किया जाता है। और कई अन्य कार्य बीएसपी में केंद्रीय रूप से किए जा रहे हैं। वास्तव में सीपीआरएस ने पूरे सेल को एक प्रणाली के तहत लाया है।

पिकनिक स्पॉट निर्माण की सुस्त गति पर वोरा ने जताई नाराजगी...

ठगड़ा बांध में ही चौपाल लगाकर अधिकारियों को दिए तेजी लाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। क्लीन सिटी के लिए दुर्ग का ठगड़ा बांध अनूठे पिकनिक स्पॉट के रूप में आकार लेने लगा है। किन्तु निर्माण की धीमी गति से वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा नाखुश हैं। 16 करोड़ 21 लाख की लागत से यहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए सेहत एवं मनोरंजन का इंतजाम करने की योजना प्रस्तावित है किंतु अभी तक बांध अपने स्वरूप में नजर नहीं आ रहा है।

निर्माण प्रारंभ होने को लंबा समय बीत जाने के बाद भी अब तक एक भी फेस पूर्ण नहीं हो पाने पर विधायक वोरा ने स्थल पर ही अधिकारियों की चौपाल लगा कर अंतिम रूपरेखा तैयार करने के सख्त निर्देश दिए। वोरा , महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त हरेश मंडावी एवं पूरे निगम अमले के साथ स्थल पर पहुंचे एवं जल्द से जल्द स्पॉट को पूर्णता की ओर लेजाने आखरी चरण की कार्ययोजना पर चर्चा की।

वोरा ने निविदा एजेंसी को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के पूर्व आइलैंड एवं गहरीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाए जिससे लोग बोटिंग का आनंद लेते हुए पानी के बीच निर्मित आइलैंड तक पहुंच सकें साथ ही परिवारजनों के साथ पिकनिक के लिए पहुंचे लोगों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो।

पर्यटन स्थल लोगों के सेहत से भी जुड़ा रहता है इवनिंग मॉर्निंग वॉक के साथ साइकलिंग एवं जॉगिंग ट्रैक बन जाने के बाद जल्द ही अंतिम चरण के कार्य निपटाए जाएं जल्द ही मुख्यमंत्री के हाथों इसका लोकार्पण कराया जाएगा। आयुक्त ने बताया कि 7 करोड़ 22 लाख की राशि अब तक खर्च की जा चुकी है अब फिनिशिंग में पाथवे, फूड प्लाजा, पार्किंग, रेलिंग, टॉयलेट, वाटर सप्लाई लैंड स्केपिंग एवं बच्चों की खेल सामग्री का काम कराया जाएगा। जिस पर वोरा ने युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए जनभावनाओं के अनुरूप ट्विन सिटी के हृदय स्थल पर जल्द से जल्द निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों के साथ दादा दादी नाना नानी पार्क के संधारण कार्य का भी निरीक्षण किया एवं एक सप्ताह के अंदर योगा एवं जुम्बा के लिए तैयार करने निर्देशित किया। इस दौरान पार्षद अमित देवांगन, शंकर ठाकुर, कुमारी साहू, उषा ठाकुर, एल्डरमैन राजेश शर्मा, अंशुल पांडेय, गोलू गुप्ता कार्यपालन अभियंता प्रकाश थवानी, अभियंता वी पी मिश्रा, पंकज साहू मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950